हरिभूमि
रेवाड़ी भूमि
रोहतक, सोमवार 8 जून 2026

तापमान

अधिकतम 40 .4 डिग्री
न्यूनतम 24 .8 डिग्री

9 भारतीय नौसेना में सब लेफ्टिनेंट बनी लुखी की शिवानी का हुआ सम्मान

10 शराब ठेकेदारों में शुरू हुई प्राइस वार, कम दामों पर बेचने वाले दो ठेके सील

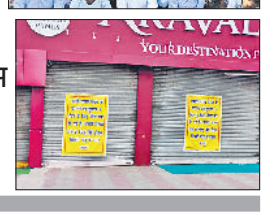

खबर संक्षेप

फरार चल रहा पीओ चढ़ा पुलिस के हत्थे

रेवाड़ी। थाना कोसली पुलिस ने कोर्ट से घोषित किए जा चुके एक पीओ को गिरफ्तार किया है। कोर्ट में चल रहे एक मामले में श्यामनगर निवासी अर्पित पेशी पर नहीं जा रहा था। बार-बार तारीख पर नहीं जाने के कारण कोर्ट ने उसे पीओ घोषित कर दिया था। आरोपी के खिलाफ केस दर्ज करने के आदेश दिए गए थे। कोसली पुलिस ने केस दर्ज करने के बाद आरोपी अर्पित को गिरफ्तार कर लिया। उसे कोर्ट में पेश करने के बाद न्यायिक हिरासत के तहत जेल भेज दिया गया।

बाइक चोरी का आरोपी लिया रिमांड पर

रेवाड़ी। थाना शहर पुलिस ने बाइक चोरी के मामले में एक आरोपी को कोर्ट से रिमांड पर लिया है। पुलिस ने गत दिनों पाडला निवासी हेमंत को चोरी की बाइक के साथ गिरफ्तार किया था। उसने पूछताछ के दौरान मॉडल टाउन व सिटी थाना क्षेत्र में बाइक चोरी की कई वारदातों को अंजाम देने की बात स्वीकार की थी। आरोपी को गिरफ्तार करने के बाद बाइक बरामद की गई थी। अब उसे सिटी पुलिस ने कोर्ट से एक दिन के रिमांड पर लिया है।

सड़क हादसे का आरोपी चालक गिरफ्तार

कुंड। थाना खोल पुलिस ने सड़क हादसे के बाद फरार एक वाहन चालक को गिरफ्तार किया है। गत 14 अप्रैल को जैसलमेर नेशनल हाइवे पर हुए हादसे के बाद वाहन चालक फरार हो गया था। इस हादसे में तीन लोग घायल हो गए थे। पुलिस ने घायल के बयान पर केस दर्ज करने के बाद चालक की तलाश शुरू की थी। जांच के बाद पुलिस ने राजस्थान के केशुपुर निवासी अरिहंत को इस मामले में गिरफ्तार करने के बाद पुलिस बेल पर छोड़ दिया।

स्वास्थ्य विभाग की ओर से डेंगू व मलेरिया से निपटने के लिए किया जा रहा सोर्स रिडक्शन कार्य

मानसून सीजन में डेंगू से निपटना चुनौती अभी तक केस नहीं मिलने से राहत

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

जिलावासियों को अभी डेंगू के प्रकोप से राहत मिली हुई है। अच्छी खबर यह है कि जिले में अभी तक डेंगू का एक भी केस नहीं मिला है। हालांकि पिछले दिनों मलेरिया के 5 केस मिल चुके है। मानसून आने पर आगामी दिनों में स्वास्थ्य विभाग के सामने अब सबसे बड़ी चुनौती मलेरिया और डेंगू से निपटने की रहेगी, जिसके लिए स्वास्थ्य विभाग की ओर से पहले ही जनवरी से सोर्स रिडक्शन का कार्य किया जा रहा है। पिछले वर्षो फोगिंग में ढील बरतने के कारण जिले में डेंगू के केसों की संख्या काफी रही। इस बार स्वास्थ्य विभाग की ओर से फोगिंग पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। स्वास्थ्य विभाग की टीमें घर-घर जाकर लार्वा की जांच करने के साथ लोगों को जागरूक कर रही है तथा बुखार से पीड़ति लोगों की स्लाइड भी तैयार की जा रही है। गत वर्ष डेंगू के 297 व मलेरिया के 14 केस मिले थे। गत वर्ष 4 जनवरी का पहला डेंगू का केस मिला था, जिसके बाद फरवरी माह में एक, मार्च में 2 व अप्रैल में एक डेंगू मरीज मिलने के बाद मई में कोई केस नहीं मिला, जिसके बाद जून से डेंगू के मरीजों की संख्या बढ़ने लगी। जून माह में 7, जुलाई में 9, अगस्त में 101, सितंबर में 95, अक्टूबर में 60, नवंबर में 17 डेंगू मामलों के बाद दिसंबर में 3 डेंगू पॉजिटिव मरीज मिले। इस बार अभी तक मलेरिया के 5 केस मिल चुके है। गत वर्ष मलेरिया के 9 केस मिले थे। स्वास्थ्य विभाग की ओर से गर्मी के मौसम में रोगों पर नियंत्रण पाने के पूरे प्रयास भी किए जा रहे है। नागरिक अस्पताल में ओपीडी भी तीन साल में 1200 से 2300 के करीब पहुंच गई है। विभाग की टीमों की ओर से जनवरी से अब तक 581278 घरों में मॉस फीवर सर्वे किया जा चुका है तथा 55 स्थानों पर लार्वा पाया गया, जिसमें 31 लोगों को नोटिस दिए जा चुके है। टीमों की ओर से अब तक बुखार पीड़ति 23357 लोगों के ब्लड सेंपल लेकर सलाइड तैयार की जा चुकी है।

लार्वा मिलने पर 31 को नोटिस

रेवाड़ी। शहर के मिनी बाइपास की सड़क पर जमा पानी। फोटो : हरिभूमि

सोर्स रिडेक्शन का तेजी से चल रहा कार्य

डिप्टी सीएमओ एवं मलेरिया नोडल अधिकारी डा. जोगेन्द्र तंवर ने बताया कि सभी सीएचसी व पीएचसी में हेल्थ इंस्पेक्टर के साथ टीम सोर्स रिडेक्शन का कार्य कर रही है। जिले में ब्रीड़िग चेकर स्टाफ घर-घर जाकर लार्वा की जांच कर रहे है। जिले के तालाबों में गम्बूजिया मछली छोड़ी गई है तथा गंदे पानी में काला तेल डाला जा रहा है। सभी सीएचसी में टेमीपास की दवाई दी गई है।

डेंगू व मलेरिया बीमारियों के लक्षण

डेंगू एडीज मच्छर के काटने से होता है। यह मच्छर दिन में काटता और स्थिर एवं साफ पानी में पनपता है। बुखार व सिरदर्द, मांसपेशियों, हड्डियों व जोड़ो में दर्द, जी मिचलाना, उल्टी लगना, आंखो में आसपास दर्द, ग्रंथियो में सूजन व स्किन पर लाल चकते हैं तो तुरंत अलर्ट होने की जरूरत है यह डेंगू के लक्षण है। मलेरिया मादा एनीफिलीज मच्छर के काटने से होता है, जिसमें मरीज के सिर दर्द होना, शरीर में कंपन, ठंड लगना, थकान, बुखार आना, उल्टी होना, जी मिचलना, चक्कर आना प्रमुख कारण हैं। इन लक्षणों के साथ यदि तेज बुखार हो तो तुरंत डॉक्टर को दिखाना चाहिए।

सप्ताह में एक दिन ड्राई-डे मनाएं

डेंगू व मलेरिया से निपटने के लिए टीम की ओर से सर्वे किया जा रहा है। लोग अपने घरों में एक दिन ड्राई-डे मनाकर फ्रीज की ट्रे, पानी की टंकी व पशु खेल में भरे पानी को खाली करके अवश्य साफ करें ताकि मच्छर का लार्वा पनपने से पहले ही खत्म हो जाए।
-डा. जोगेन्द्र तंवर, डिप्टी सीएमओ।

मंदिर की जमीन को लेकर उपजा विवाद ढाणी भांडोर में तनाव का माहौल

रेवाड़ी। ढाणी भांडोर में आयोजित पंचायत में मौजूद ग्रामीण। फोटो : हरिभूमि

रेवाड़ी। ढाणी भांडोर में मंदिर ठाकुरजी की जमीन को लेकर विवाद खड़ा हो गया। मामले को लेकर रविवार को हुई पंचायत के दौरान दो पक्षों के बीच झगड़े की नौबत तक आ गई। इसके बाद गांव में पुलिस बल बुलाना पड़ा। पुलिस ने दोनों पक्षों को रामपुरा थाना बुलाकर विवाद शांत कराने के प्रयास शुरू कर दिए। बताया जा रहा है कि गांव के मंदिर के नाम पर काफी जमीन है। भाड़ावास व गुमीना के कई ग्रामीणों का दावा है कि यह जमीन उनके पूर्वजों ने मंदिर के लिए दान की थी। वही इस जमीन के केयर टेकर चले आ रहे हैं। इसके लिए एक कमेटी बनाई हुई है। इस जमीन को पट्टे पर देने को लेकर विवाद हो गया, जिसे लेकर रविवार को ढाणी भांडोर में पंचायत हुई। पंचायत में गुमीना और भाड़ावास से कमेटी के पदाधिकारी और सदस्य शामिल हुए। इन लोगों ने पंचायत में कहा कि जमीन उनके पूर्वजों की दी हुई है। इस जमीन को पट्टे पर दिया जा रहा है, जिसमें से मिलने वाली राशि का कुछ हिस्सा नलकूप के रखरखाव के लिए अलग रखा जाएगा। इन लोगों ने आरोप लगाया कि गांव के कुछ प्रभावशाली लोग इस जमीन पर स्टेडियम बनाने और बिना जमीन वाले ग्रामीणों को खेती के लिए देना चाहते हैं। यह लोग पट्टे पर जमीन लेने वाले को भी जमीन पर जाने से रोकना चाहते हैं। इस बाद पंचायत में काफी गहमा-गहमा हुई। ग्रामीणों के अनुसार पंचायत में बाहर के गांवों से ऐसे लोग भी आए थे, जिनका जमीन को लेकर कोई सरोकार ही नहीं था। इन लोगों ने कमेटी के चेयरमैन के साथ बदसलूकी की। माहौल गर्म होते देख रामपुरा थाना पुलिस को सूचना दी गई। सूचना मिलने के बाद पुलिस मौके पर पहुंच गई। पुलिस दोनों पक्षों के लोगों को थाने ले गई, ताकि बातचीत के आधार पर फैसला कराया जा सके। पुलिस ने गांव के लोगों से संयम बरतने को कहा है।

■ पुलिस ने दोनों पक्षों को थाने बुलाया, बातचीत से समझौता कराने के प्रयास

दहेज उत्पीड़न मामले में एक काबू

धारूहेड़ा। पुलिस ने दहेज की मांग पर विवाहिता से मारपीट करने और जान से मारने की धमकी देने के मामले में एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। पीड़िता की शिकायत के बाद पुलिस ने दोनों पक्षों के बीच मीडिएशन के जरिए समझौता कराने के प्रयास किए थे। बात सिरे नहीं चढ़ने पर पुलिस ने 2 मई को ससुराल पक्ष के लोगों के खिलाफ केस दर्ज किया था। जांच के बाद पुलिस ने गुरुग्राम के मऊ निवासी अभिषेक को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। उसे तफ्तीश में शामिल करने के बाद पुलिस बेल पर छोड़ दिया गया।

दो पेट्रोल पंप पर चोरी के तीन आरोपी रिमांड पर

■ पुलिस ने शिकायत पर चोरी का केस दर्ज करने के बाद जांच शुरू की थी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

थाना रोहड़ाई पुलिस ने मार्च माह में टहना दीपालपुर के पास दो पेट्रोल पंप के ऑफिस का ताला तोड़कर नकदी चोरी करने के मामले में तीन आरोपियों को कोर्ट से प्रोडक्शन वारंट पर लिया है। उन्हें पुलिस रिमांड पर लिया गया है। गत 11 मार्च को गांव घासेड़ा निवासी हरीश ने अपनी शिकायत में बताया था कि वह गांव टहना दीपालपुर के पास कोमल पेट्रोल पंप पर मैनेजर है। सुबह लगभग साढ़े 4 बजे चोर उनके पेट्रोल पंप के ऑफिस का ताला तोड़कर करीब 28,900 रुपये चोरी करके ले गए है। उसके पड़ोस में एक दूसरा पेट्रोल पंप देव फिलिंग स्टेशन के नाम से है। उसके मैनेजर भूपेंद्र ने उसे बताया कि सुबह समय चोर उनके भी पेट्रोल पंप के ऑफिस का लॉक तोड़कर के करीब 13,950 रुपये चोरी करके ले गए। पुलिस ने उसकी शिकायत पर चोरी का केस दर्ज करने के बाद जांच शुरू की थी। इस मामले में पुलिस ने जींद के आफताबगढ़ निवासी कुलदीप, अनिल व जींद के ही नरवाना की शिवपुरी कॉलोनी राजीव को कोर्ट से प्रोडक्शन वारंट पर लेने के बाद पूछताछ के लिए रिमांड पर लिया है।

रेवाड़ी। पुलिस गिरफ्त में आरोपी। फोटो : हरिभूमि

एबीवीपी का चार दिवसीय प्रांत अभ्यास वर्ग 21 से

रेवाड़ी। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद का चार दिवसीय प्रांत अभ्यास वर्ग 21 जून से 24 जून तक आरपीएस सीनियर सैंकेडरी स्कूल खातौद महेंद्रगढ़ में आयोजित किया जाएगा। रविवार को जिला अध्यक्ष डा. संजय शर्मा की अध्यक्षता तथा जिला संगठन मंत्री परमिंद्र सैनी के सान्निध्य में बैठक में पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं को प्रांत अभ्यास वर्ग के लिए विभिन्न प्रभार सौंपे गए। एबीवीपी के नगर अध्यक्ष डा. मुकुट अग्रवाल ने कहा कि एबीवीपी विश्व का सबसे बड़ा छात्र संगठन है और अपने स्थापना कल से ही समाज-हित, राष्ट्र-हित व विद्यार्थी-हित में कार्य करती आ रही है। इस अवसर पर जिला संयोजक तरुण यादव, नगर मंत्री राजश्री, डा. सरला यादव, विनीत, हेमंत, कर्मवीर व प्रिया सहित अनेक कार्यकर्ता उपस्थित थे।

अलावलपुर से भटसाना की जर्जर सड़क से ग्रामीण परेशान

धारूहेड़ा। गांव अलावलपुर से ततारपुर खालसा व भटसाना मार्ग की हालत खस्ता होने से लोगों को आवागमन करने में भारी परेशानी उठानी पड़ रही है। ततारपुर खालसा से समाजसेवी रामपाल यादव, पूर्व सरपंच अभय सिंह यादव, भटसाना गांव से समाजसेवी गजराज मैनेजर, जिला पार्षद निरंजन लाल पटवारी व समाजसेवी रामकुमार पटवारी ने बताया कि लंबे समय से लोग जर्जर सड़क की परेशानी झेल रहे है। सरकार के पूर्व कार्यकाल में रोड पास हो चुका है, लेकिन सभी तक निर्माण कार्य शुरू नहीं हुआ है। उन्होंने मुख्यमंत्री नायब सैनी व बावल के विधायक डा. कृष्ण कुमार से सड़क का निर्माण कार्य शुरू कराने का आग्रह किया है।

दोनों कारों के चालक सुरक्षित बच गए

जैसलमेर नेशनल हाईवे पर भिड़ी दो कारें, बड़ा हादसा होने से टला

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

जैसलमेर नेशनल हाइवे पर टोल प्लाजा के पास रविवार सुबह दो कारों क बीच भिड़ंत हो गई। हादसे में एक कार बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई, जबकि दोनों के चालक बाल-बाल बच गए। टोल प्लाजा के पास एक कार विपरीत दिशा से नारनौल की ओर जा रही थी। इसी दौरान दूसरी कार टोल प्लाजा क्रास करने के बाद रेवाड़ी की ओर बढ़ी, तो सामने से आ रही कार से उसकी भिड़ंत हो गई। एक कार हादसे में बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई, जबकि दूसरी कार को भी मामूली नुकसान हो गया। टोल प्लाजा की एंबुलेंस तुरंत वहां पहुंच गई। दोनों कारों के चालक सुरक्षित बच गए। खोल थाना पुलिस ने केस दर्ज करने के बाद जांच शुरू कर दी।

रेवाड़ी। आपस में भिड़ंत होने पर क्षतिग्रस्त कार।

डिवाइडर पर चढ़कर कार क्षतिग्रस्त

शनिवार की रात झज्जर चौक के पास एक तेज रफ्तार कार डिवाइडर से टकराकर बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। हादसे में चालक बाल-बाल बच गया। झज्जर की ओर से आ रही कार अनियंत्रित होने के बाद डिवाइडर से टकरा गई। हादसे में कार का अगला हिस्सा पूरी तरह खत्म हो गया। सूचना मिलने के बाद सिटी पुलिस ने मौके पर जाकर कार को सड़क से हटवाया।

पुलिस के हत्थे चढ़े चोरी प्रयास के फरार आरोपी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कुंड

खोल थाना पुलिस ने करीब चार साल पहले गांव खोल में रात के समय पिकअप गाड़ी, ट्रैक्टर व पशु चोरी का प्रयास करने के मामले में दो और आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने राजस्थान के जिला कोटपुतली बहरोड़ के नानगवास निवासी बाबूलाल व सुधीर को काबू किया है। पुलिस इस मामले में दो आरोपियों को पहले ही गिरफ्तार कर चुकी है। 19 अक्टूबर 2022 को गांव खोल निवासी नरेंद्र कुमार ने दी शिकायत में बताया था कि वे अपने परिवार के साथ खेतों में मकान बनाकर रहता है। बीती रात जब वह लघुशंका के लिए उठा, तो उसकी पिकअप का दरवाजा बंद होने की आवाज आई। उसने बाहर निकलकर देखा तो एक आदमी पिकअप में चालक की सीट पर बैठा हुआ था। दो आदमी उसके ट्रैक्टर पर बैठे हुए थे। उसके शौर मचाने पर पड़ोसी गजेंद्र ट्रैक्टर लेकर वहां पहुंच गया, जिस पर चोर अपनी पिकअप में बैठकर भागने लगे, लेकिन आगे चलकर पिकअप खेत में फंस गई और आरोपी गाड़ी छोड़कर फरार हो गए। उनके पड़ोसी अशोक ने बताया कि चोरों ने रात को उसकी व उसके पड़ोसी की भैंस चोरी करने का भी प्रयास किया। भैंस पिकअप में चढ़ाते समय उसकी आंख खुल गई, जिसके बाद आरोपी खेतों की ओर भाग गए। पुलिस ने मामले में संलिप्त दो आरोपी अजरुद्दीन व रफीक को पहले ही गिरफ्तार कर लिया था। पुलिस ने शनिवार को दो और आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने दोनों आरोपियों को अदालत में पेश करके न्यायिक हिरासत में भेज दिया है।

■ पुलिस इस मामले में दो आरोपियों को पहले ही गिरफ्तार कर चुकी है

रेवाड़ी। पुलिस गिरफ्त में चोरी का प्रयास करने वाले आरोपी। फोटो : हरिभूमि

मौसम के जल्द साफ होने की संभावना नहीं, सप्ताह के अंत में झमाझम बारिश

दिनभर रहा भारी गर्मी का प्रकोप, शाम को बूंदाबांदी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

मौसम में बार-बार बदलाव का सिलसिला लगातार चल रहा है। हवा में नमी बढ़ने के कारण उमस भरी गर्मी दिन भर लोगों को परेशान करती है। शाम के समय तेज हवाओं के साथ बूंदाबांदी से मौसम खुशगवार बन जाता है। मौसम के जल्द साफ होने की संभावना नहीं है। इस सप्ताह के अंत में झमाझम बारिश की संभावना जताई जा रही है। रविवार को सुबह के समय आसमान पूरी तरह साफ रहा। दोपहर तक आसमान में आंशिक बादल छा गए। अधिकतम तापमान 0.1 डिग्री की मामूली गिरावट के साथ 40.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। न्यूनतम तापमान 1.2 डिग्री की कमी के साथ 24.8 डिग्री सेल्सियस पर आ गया। हवा में 32 प्रतिशत तक नमी बनी रही। दिन में 14 किलोमीटर प्रति घंटा की रफ्तार से हवाएं चलीं, जबकि शाम के समय हवाओं की गति बढ़ गई। तेज धूप के बाद हवा में नमी ने वातावरण में उमस बनाए रखी, जिस कारण दोपहर बाद तक लोग पसीने में भीगते रहे। कूलरों की हवा तक ने काम करना बंद कर दिया। उमस के दौरान एसी ही राहत दिलाता है। शाम के समय आसमान में बादल गहरा गए। जिले के कई इलाकों में बादलों और तेज हवाओं के बीच बूंदाबांदी हुई। मौसम का मिजाज ठंडा पड़ने से राहत मिली। मौसम विभाग के अनुसार बार-बार विक्षोभ की सक्रियता मौसम में बदलाव लाने का काम कर रही है। दो-तीन दिन तक मौसम इसी तरह का बना रह सकता है। सप्ताह के अंतिम दिनों में हल्की से मध्यम बारिश होने की संभावना है। इस दौरान तापमान में उतार-चढ़ाव बना रहेगा।

रेवाड़ी। रविवार को गर्मी के कारण सूना पड़ा बावल रोड। फोटो : हरिभूमि

किसानों को बारिश का बेसब्री से इंतजार

बाजरे की बिजाई का समय करीब आने के कारण किसान बारिश का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। पड़ोसी जिले महेंद्रगढ़ में एक दिन पहले हुई बारिश के बाद किसानों ने बाजरे की बिजाई शुरू कर दी है। अगर इस समय अच्छी बारिश होती है, तो किसान बाजरे की अगेती बिजाई कर सकेंगे। इसके लिए किसानों ने जमीन तैयार की हुई है। कृषि विशेषज्ञों के अनुसार 20 एमएम तक बारिश होने पर किसान बाजरे की बिजाई कर सकते हैं।

देशी कट्टे व कारतूस के साथ एक आरोपी काबू

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

सीआईए धारूहेड़ा की टीम ने गोकलगढ़ बाइपास के पास एक आरोपी को देशी कट्टे और कारतूस के साथ गिरफ्तार किया है। उसके खिलाफ सदर पुलिस थाने में केस दर्ज कराया गया है। सीआईए धारूहेड़ा को सूचना मिली थी कि आशियाकी गौरावास निवासी नितिन के पास अवैध हथियार है। वह गोकलगढ़ बाइपास के पास हथियार लेकर किसी के इंतजार में खड़ा हुआ है। सीआईए की टीम मौके पर पहुंच गई। पुलिस को देखकर एक युवक ने भागने का प्रयास किया। पीछा करते हुए सीआईए की टीम ने उसे काबू कर लिया। पूछताछ करने पर उसने अपना नाम आशियाकी गौरावास निवासी नितिन बताया। तलाशी लेने पर उसके कब्जे से एक देशी कट्टा व एक जिंदा कारतूस बरामद हुआ। सीआईए ने उसे काबू करने के बाद सदर थाने में आर्म्स एक्ट के तहत केस दर्ज करा दिया। आरोपी से हथियार सप्लाई के बारे में पूछताछ की जा रही है।

हरियाणवी पहनावा

हरियाणा का पारंपरिक पहनावा पुरुषों के लिए धोती, कुर्ता और पगड़ी, और महिलाओं के लिए घाघरा, चोली और चुंदड़ी है, जो राज्य की सांस्कृतिक पहचान को दर्शाते हैं। हालांकि शहरी महिलाओं और पुरुषों में अब यह पहनावा कम ही देखने को मिलता है। युवाओं में तो आधुनिक वेशभूषा का ही क्रेज हैं। स्कूल व कॉलेजों के सांस्कृतिक समारोहों में जरूर यह पारंपरिक पहनावा देखने को मिल जाता है।

सांस्कृतिक संवाहक है हरियाणा की धरती

सिंधु-सरस्वती सभ्यता का यह सबसे बड़ा केंद्र सिद्ध करता है कि आज से हजारों वर्ष पूर्व भी हरियाणा की भूमि पर एक अत्यंत विकसित, सुसंस्कृत और शांतिप्रिय नगरीय सभ्यता सांस ले रही थी, जिसकी सांस्कृतिक निरंतरता और जीवन मूल्य कभी खंडित नहीं हुए।

महिमा

दिनेश शर्मा 'दिनेश'

भारत के उत्तर-पश्चिम में स्थित हरियाणा की पावन धरा केवल एक भौगोलिक भू-भाग मात्र नहीं है, बल्कि यह सनातन भारतीय सभ्यता, संस्कृति और राष्ट्रीय चेतना की आदि-संस्थापक है। वैदिक ऋचाओं के प्रथम गुंजन से लेकर महाभारत के महासंग्राम तक और योगेश्वर श्रीकृष्ण की अमर वाणी 'श्रीमद्भगवद्गीता' से लेकर आधुनिक युग के नवनिर्माण तक, इस माटी ने देश के इतिहास को केवल गति ही नहीं दी, बल्कि उसकी दिशा और दशा को भी तय किया है।

भारतीय संस्कृति के आदि-स्रोत 'ऋग्वेद' की ऋचाओं का एक बहुत बड़ा हिस्सा इसी भूमि पर साक्षात अवतरित हुआ था। वैदिक काल में 'ब्रह्मावर्त' और 'ब्रह्मर्षि देश' के नाम से पूजित यह क्षेत्र देव-निर्मित माना गया। मनुस्मृति के द्वितीय अध्याय के सत्रहवें श्लोक का यह उद्घोष इसी पावन धरा की महिमा गाता है, जो पवित्र नदी सरस्वती और दृशद्वती के मध्य स्थित थीः

स्त्र वन्ती यत्र चक्रतुर्देवता निर्मितं नदौ।
तद्देवनिर्मितं देशं ब्रह्मावर्तं प्रचक्षते॥

आज भू-गर्भीय परिवर्तनों के कारण सरस्वती नदी भले ही विलीन हो चुकी हो, परंतु प्राचीन काल में यह केवल जल की धारा नहीं, बल्कि ज्ञान, विज्ञान और अध्यात्म की अविरल वाहिका थी। इसी के तट पर बैठकर महर्षि वेदव्यास ने वेदों का संकलन किया, महाभारत ग्रंथ की रूपरेखा तैयार की और पुराणों को कलमबद्ध किया। वहीं दृशद्वती के किनारों पर गूंजने वाले वैदिक यज्ञों के मंत्रों ने भारत की यज्ञ-संस्कृति और पर्यावरण के प्रति कृतज्ञता के भाव को सुदृढ़ किया। इस ऋषिकुल परंपरा को जब हम पुरातात्विक साक्ष्यों के तराजू पर तौलते हैं तो हिसार का राखीगढ़ी अपनी विशालता के साथ सामने आता है। सिंधु-सरस्वती सभ्यता का यह सबसे बड़ा केंद्र सिद्ध करता है कि आज से हजारों वर्ष पूर्व भी हरियाणा की भूमि पर एक अत्यंत विकसित, सुसंस्कृत और शांतिप्रिय नगरीय सभ्यता सांस ले रही थी, जिसकी सांस्कृतिक निरंतरता और जीवन मूल्य कभी खंडित नहीं हुए। वैदिक काल की यह ज्ञान-परंपरा जब उत्तर-वैदिक और महाकाव्य काल में प्रवेश करती है तो हरियाणा का 'कुरुक्षेत्र' पूरे आर्यावर्त का वैचारिक और आध्यात्मिक केंद्र बनकर उभरता है। महाभारत का युद्ध भूमि के एक टुकड़े के लिए लड़ा गया महज दो परिवारों का संघर्ष नहीं था, बल्कि वह न्याय और अन्याय, धर्म और अधर्म के बीच उपजा एक वैश्विक वैचारिक महामंथन था। इसी 'धर्मक्षेत्र-कुरुक्षेत्र' की ऐतिहासिक माटी पर ज्योतिसर नामक स्थान पर जब अर्जुन अपनों के मोह में फंसकर कर्तव्यविमुख होने लगे, तब भगवान श्रीकृष्ण ने उन्हें जो पावन उपदेश दिया, वह 'श्रीमद्भगवद्गीता' के रूप में युगों-युगों के लिए अमर हो गया। महाभारत के वनपर्व के अंतर्गत कुरुक्षेत्र महात्म्य में इस भूमि की पावनता को याद करते हुए यहां तक कहा गया हैः

ततो गच्छेत राजेन्द्र कुरुक्षेत्रं समन्ततः।
पांसवोऽपि कुरुक्षेत्रे वायुना समुदाहृताः।
अपि दुष्कृतकर्माणं नयन्ति परमां गतिम्॥

अर्थात कुरुक्षेत्र की उड़ती हुई धूल भी यदि वायु के झोंके से किसी पापी को छू जाए तो उसे परम गति की ओर ले जाती है। आत्मा की अमरता का दर्शन व्यक्ति को काल के भय से मुक्त करता है, तो समत्व का भाव समाज में समरसता, संवेदनशीलता और सह-अस्तित्व की मजबूत नींव रखता है। हरियाणा की सांस्कृतिक आत्मा को समझने के लिए यहाँ के सीधे-सरल रहन-सहन, खान-पान और अनूठी जीवन-शैली को देखना आवश्यक है। यह एक ऐसी संस्कृति है जो सादगी और पौरुष के मजबूत स्तंभों पर टिकी है। यहाँ का समाज मुख्य रूप से कृषि और पशुपालन से जुड़ा रहा है, जिसका सीधा प्रभाव यहाँ की दिनचर्या पर दिखाई देता है। यहाँ की 'चौपाल' केवल एक बैठने की जगह नहीं है, बल्कि यह ग्रामीण लोकतंत्र, न्याय और भाईचारे की एक जीवंत संस्था रही है, जहाँ बड़े-से-बड़े सामाजिक फैसले आपसी सहमति से सुलझा लिए जाते हैं। इसी सादगी और शुद्धता का प्रतिबिंब यहाँ के खान-पान में भी झलकता है। हरियाणा के इस सीधे-सरल, समृद्ध और सात्विक वातावरण को रेखांकित करते हुए कहा गया हैः

देशां में देश हरियाणा, जीत दूध-दही का खाणा।

यह पंक्ति यहां की केवल खान-पान की आदत को नहीं, बल्कि उस संपन्न और निश्छल ग्रामीण जीवन-दर्शन को दर्शाती है, जहाँ दूध, दही, छाछ, घर का निकाला हुआ मक्खन और चूल्हे की तपी हुई बाजरे या गेहूं की रोटियां मुख्य आहार हैं। 'खांड-बूरा' और 'लस्सी' से होने वाला अतिथि सत्कार यहाँ के लोगों के बड़े और उदार दिल का परिचय देता है। इस धरा की पारम्परिक वेशभूषा और आभूषण भी यहाँ की लोक-संस्कृति की एक अमूल्य धरोहर हैं। पुरुषों का परिधान जहाँ उनकी मर्यादा और पौरुष का प्रतीक है, वहीं महिलाओं की वेशभूषा यहाँ के लोक-जीवन के चटकीले रंगों को समेटे हुए है। इस अनूठे रहन-सहन और पहनावे को जो तत्व सबसे अधिक जीवंत और मुखर बनाता है, वह है यहाँ की 'बोली'। हरियाणवी बोली को अक्सर लोग दूर से देखने पर खड़ी या कड़क मान लेते हैं, लेकिन इसके भीतर जो अपनापन, हाजिरजवाबी और निश्छल हास्य छुपा है, वह अद्भुत है। इसकी सबसे बड़ी विशेषता इसकी निडरता और स्पष्टवादिता है। हरियाणवी जनमानस जो दिल में रखता है, वही जुबान पर लाता है। सांस्कृतिक राष्ट्रवाद का अर्थ केवल सीमाओं की रक्षा नहीं, बल्कि अपनी इसी जीवन-पद्धति, बोली, लोक-कलाओं और नैतिक मूल्यों के प्रति अगाध निष्ठा है। इस मोर्चे पर हरियाणा के लोक-साहित्य और 'सांग' व 'रागनी' परंपरा ने अद्भुत कार्य किया है। यहाँ के लोक-कलाकारों ने केवल मनोरंजन नहीं किया, बल्कि ग्रामीण अंचलों में समाज-सुधार, राष्ट्र-प्रेम और नैतिक चेतना की अलख जगाई। सांग परंपरा के सिरमौर दीपचंद बामण ने जहाँ प्रथम विश्वयुद्ध के संक्रमण काल में अपनी कला से युवाओं के भीतर राष्ट्र-रक्षा का जज्बा फूंका, वहीं हरियाणा के सूर्यकवि पंडित लखमीचंद ने वेदों, उपनिषदों और पुराणों के गूढ़ ज्ञान को अपनी सरल लोक-वाणी में ढालकर गाँव-गाँव के आम जनमानस तक पहुँचा दिया। उनकी रागनियों में बहने वाली गुरु-महिमा, सदाचार और अध्यात्म की रसधार ने समाज को बिखरने से बचाया। इसी गौरवशाली परंपरा को आगे बढ़ाते हुए अनेक मनीषियों ने अपनी सुरीली और गंभीर लेखनी से ग्रामीण अंचलों में सामाजिक समरसता, मानवीय मूल्यों और दार्शनिक चेतना को जीवित रखा। भौगोलिक रूप से भारत के उत्तर-पश्चिमी द्वार पर स्थित होने के कारण, हरियाणा को सदैव विदेशी आक्रांताओं के पहले प्रहार को झेलना पड़ा था। खैबर और बोलन दर्रों को पार कर दिल्ली की सल्तनत पर आँख गड़ाने वाले हर हमलावर का रास्ता हरियाणा के मैदानों से ही होकर गुजरता था। यही कारण है कि यहाँ का इतिहास निरंतर संघर्षों, शौर्य-गाथाओं और बलिदानों का गवाह रहा है। तराइन के मैदान में पृथ्वीराज चौहान का विदेशी आक्रमणकारियों से लोहा लेना हो या पानीपत की तीन ऐतिहासिक लड़ाइयाँ, इस माटी ने बार-बार भारत के भाग्य के फैसले होते देखे हैं। विशेषकर पानीपत के तीसरे युद्ध में, जब अहमद शाह अब्दाली के खिलाफ भारत की संप्रभुता को बचाने के लिए मराठे उत्तर भारत की ओर बढ़े तो हरियाणा के स्थानीय जनमानस ने रोटी और शरण देकर उनका साथ दिया। इसी सांस्कृतिक राष्ट्रवाद का प्रखर रूप सन 1857 के प्रथम स्वतंत्रता संग्राम में देखने को मिला, जब अंबाला छावनी से उठी क्रांति की चिंगारी ने पूरे हरियाणा को अपनी चपेट में ले लिया। रेवाड़ी के राजा राव तुलाराम, झज्जर के नवाब अब्दुल रहमान खान और बल्लभगढ़ के राजा नाहर सिंह जैसे नायकों ने मजहब और जाति की दीवारें ढहाकर फिरंगियों के खिलाफ साझा मोर्चा खोला। नसीबपुर (नारनौल) के मैदान में हजारों हरियाणवी वीरों का अपनी माटी और देश की आजादी के लिए हंसते-हंसते प्राण न्योछावर कर देना इस बात का अमिट प्रमाण है कि यह संस्कृति गुलामी की जंजीरों को कभी स्वीकार नहीं कर सकती। 1 नवंबर 1966 को एक स्वतंत्र राज्य के रूप में स्थापित होने के बाद हरियाणा ने प्रगति और परंपरा का एक ऐसा अनूठा समन्वय पेश किया है] जो पूरे देश के लिए मिसाल है। देश के कुल क्षेत्रफल का मात्र 1.3 प्रतिशत होने के बावजूद, हरियाणा आज देश के केंद्रीय अन्न भंडार में दूसरा सबसे बड़ा योगदानकर्ता है। 'जय जवान, जय किसान' के नारे को पूरी तरह चरितार्थ करते हुए जहाँ इस राज्य का हर दूसरा परिवार देश की सीमाओं पर सजग प्रहरी बनकर खड़ा है, वहीं खेल के मैदानों में भी हरियाणा ने वैश्विक पटल पर भारत का मस्तक हमेशा ऊँचा किया है।

इस तीव्र गति वाले डिजिटल और वैश्विक युग में, जहाँ आधुनिकता की चकाचौंध में कई संस्कृतियाँ अपनी पहचान खो रही हैं, हरियाणा के सामने भी अपनी मूल भाषाई शुद्धता और लोक-परंपराओं को अक्षुण्य रखने की एक बड़ी चुनौती है। आज समय की मांग है साहित्य का प्रामाणिक और वैज्ञानिक दस्तावेजीकरण किया जाए ताकि भावी पीढ़ी अपनी जड़ों से कटी न रहे। ग्रामीण अंचलों के ऐतिहासिक स्थलों, पारम्परिक पहनावे के हुनर और लोक-कवियों की स्मृतियों को संजोना इस सांस्कृतिक यात्रा को जीवंत रखने के लिए अत्यंत आवश्यक है।

आज समय की मांग है साहित्य का प्रामाणिक और वैज्ञानिक दस्तावेजीकरण किया जाए ताकि भावी पीढ़ी अपनी जड़ों से कटी न रहे। ग्रामीण अंचलों के ऐतिहासिक स्थलों, पारम्परिक पहनावे के हुनर और लोक-कवियों की स्मृतियों को संजोना इस सांस्कृतिक यात्रा को जीवंत रखने के लिए अत्यंत आवश्यक है।

रागिनी — सत्यवीर नाहड़िया

दूध-दही घी आळे चरचे

दूध-दही घी आळे चरचे, हरियाणा में खोग्ये।
लांबे-तगड़े छैल-गाभरू, दास नसे के होग्ये॥

कदे उड़ै पंजाब घणा था,उड़ता इब हरियाणा।
गाम-गळी अर नगर-डगर म्हं,हुया नसे का छाणा।
पाउच-पुड़िया पीणा-खाणा,बीज बिघन के बोग्ये।
लांबे-तगड़े छैल-गाभरू, दास नसे के होग्ये॥

एक बखत का यो हरियाणा, था दूध-दही का प्याल्ला।
ब्या-ठिच्चे पै ल्हुक-छिप कोये, घेट करै था आल्ला।
नयी प्योध का न्यारा माल्ला,झूम नसे म्हं सोग्ये।
लांबे-तगड़े छैल-गाभरू, दास नसे के होग्ये॥

नसा नास की जड़ हो सै ब्यूँ म्हारे बड़े बतावैं।
नसे-जाळ म्हं जो रै फँस ज्याँ,सहज छूट ना पावैं।
कोय भूल कै ना फँस ज्यावै,अंत टेम ब्यूँ रोग्ये।
लांबे-तगड़े छैल-गाभरू, दास नसे के होग्ये॥

नसा मिटावण खात्यर आओ,मिलकै अलख जगावां।
जाग्गां दिखे जगावां सभनै,अपणा देस बचावां।
कह 'नाहड़िया' फरज निभावां, क्यूँ इज्जत वो धोग्ये।
लांबे-तगड़े छैल-गाभरू, दास नसे के होग्ये॥

कविता — राजपाल सिंह गुलिया

आच्छी नहीं लड़ाई

रोज-रोज थम लड़ो भिड़ो सौ ,याह तै आच्छी बात नहीं ,
बाताँ तैं ए बात बणैगी , बात याह वाहियात नहीं .

घणी कुभद आच्छी ना हो, फल देर सवेर मिल ज्यागा,
शेर बणया हाँडै एक दिन, तनै सवा सेर मिल ज्यागा.
प्रेम- प्यार का भाव इसा हो, देखै जो औकात नहीं.

तोड़ बात का हो बाताँ तैं , याह आच्छी नहीं लड़ाई ,
बैरा ना किस पै जाकै याह , उतरै किसकी करड़ाई .
आँधी हो सै गोळी लोगो, करती कती दुभात नहीं.

झोट्टे - झोट्टे लड़ैं उड़ै इन , झाड़ाँ का ए खो हो सै.
मारे जाँ सैं लोग सहम ये ,किस मुखिया का के हो सै.
समझदार हो माणस तै हरगिज , होता उत्पात नहीं.

देख लड़ाई म्हं देसाँ के, किसे सींग से फँसरे सैं,
माल मरे का चाह्वैं सारे , कती लोभ म्हँ धँसरे सैं.
हुए बिचौले 'गुलिया' वो भी ,जिनकी जात जमात नहीं.

haribhoomisahitya@gmail.com पर आप अपनी रचनाएं भेज सकते हैं।

आवरण — खेल के मैदान में पसीना बहाने या पढ़ाई करने के बजाय रील्स बनाने में अपना कीमती समय बर्बाद कर रहे युवा

लोक संस्कृति में बढ़ता बाजारीकरण

मंथन

सरिता

हरियाणा की इस ऐतिहासिक धरती का इतिहास भी अपनी अनूठी संस्कृति की वजह से बहुत समृद्ध रहा है। यहाँ के खेतों की खुशबू, चौपालों की रौनक और हमारे बुजुर्ग कलाकारों की तान ने हमेशा पूरे समाज को आपस में जोड़कर रखा है। लेकिन आज के डिजिटल दौर में, जहाँ हर तरफ इंटरनेट और सोशल मीडिया का असर है, हरियाणा का यह ताना-बाना एक बड़े संकट से घिर गया है। जिस लोक संस्कृति का मकसद लोगों का मनोरंजन करने के साथ-साथ समाज को अच्छी सीख देना था, आज वह बाजार के लालच और अश्लीलता की भेंट चढ़ती जा रही है।

यूट्यूब और इंस्टाग्राम रील्स पर व्यूज और लाइक्स पाने की इस होड़ ने हमारी संस्कृति की मूल भावना को बहुत ठेस पहुँचाई है। हरियाणा की लोक संस्कृति की जड़ें बहुत गहरी थीं। यहाँ की सांग परंपरा केवल टाइमपास का साधन नहीं थी। यह खुली चौपालों में होने वाला एक ऐसा नाटक था जो लोगों को सच, ईमानदारी और त्याग का रास्ता दिखाता था। इसी तरह रागनियों से जीवन के गहरे सच और सामाजिकता से परिचय होता था। हमारे अपने वीरों के किस्से युवाओं में देशप्रेम और आपसी भाईचारे का जोश भरते थे और भजनों के जरिए समाज की बुराइयों पर चोट की जाती थी। जब से सबके हाथ में स्मार्टफोन और सस्ता इंटरनेट आया है, चीजें बहुत बदल गई हैं। इसने जानकारी तो सब तक पहुँचाई, लेकिन साथ ही हमारी संस्कृति में एक तरह का प्रदूषण भी फैला दिया है। यूट्यूब और रील्स के इस दौर ने लोक संस्कृति को रातों-रात बाजार में बिकने वाला सामान बना दिया है। आज कोई गाना या कला कितनी अच्छी है, यह इस बात से तय नहीं होता कि उसमें कितनी गहरी बात कही गई है, बल्कि इस बात से तय होता है कि वह कितनी जल्दी इंटरनेट पर वायरल हो सकती है। इस चक्कर में जो कलाकार सचमुच अच्छा और साफ-सुथरा काम करना चाहते हैं, उन्हें लोग भूलते जा रहे हैं, जबकि सनसनी फैलाने वाले या भड़काऊ चीजें परोसने वाले लोग रातों-रात स्टार बन रहे हैं। पैसे कमाने की इस अंधी दौड़ ने हमारी संस्कृति के असली चेहरे को बिगाड़ दिया है। आजकल के हरियाणवी गानों और वीडियो में अश्लीलता का बढ़ना सबसे चिंता की बात है। पारंपरिक सादगी को छोड़कर अब गानों में सिर्फ दिखावे और अंग-प्रदर्शन को बढ़ावा दिया जा रहा है। दोहरे अर्थ वाले शब्द और भद्दे इशारों वाले ये गाने आज शादियों, पार्टियों और गाड़ियों में आम बजते सुनाई देते हैं। इससे धीरे-धीरे समाज में इस तरह की अश्लीलता को एक सामान्य बात माना जाने लगा है, जो कि बहुत खतरनाक है। इसके साथ ही गानों में बंदूकों, हथियारों और बदमाशी को बढ़ा-चढ़ाकर दिखाने का एक नया चलन शुरू हो गया है। आज के ज्यादातर मशहूर गानों में नायक को कानून तोड़ते, हथियार लहराते और लड़ाई-झगड़ा करते दिखाया जाता है। बदमाशी, रौब जमाना या जेल जाने को इस तरह पेश किया जाता है, जैसे यही असली नायक हो। यह बात सीधे तौर पर हमारी कानून-व्यवस्था को नुकसान पहुँचाती है और कम उम्र के बच्चों के दिमाग पर बहुत बुरा असर डाल रही है। इससे युवाओं में गुस्सा और अपराध की भावना बढ़ रही है। एक और दुखद बात यह है कि हरियाणा का समाज हमेशा से 'छत्तीस बिरादरी' के भाईचारे के लिए जाना जाता था, जहाँ सांग देखने के लिए हर वर्ग के लोग एक साथ चौपाल पर बैठते थे। लेकिन आज के गानों और सोशल मीडिया ने इस आपसी भाईचारे को भी चोट पहुँचाई है। अब खास जातियों के नाम पर गाने बनाए जा रहे हैं, जिनमें खुद की जाति को सबसे ऊपर और दूसरों को नीचा दिखाने की कोशिश होती है। ऐसे गाने युवाओं के दिलों में एक-दूसरे के प्रति नफरत और दूरी पैदा कर रहे हैं। इन गानों के नीचे इंटरनेट पर लोग एक-दूसरे को गालियाँ देते नजर आते हैं, जो हमारे शांतिपूर्ण समाज के भविष्य के लिए अच्छा नहीं है। हम जैसा देखते और सुनते हैं, धीरे-धीरे हमारे संस्कार और व्यवहार भी वैसे ही होने लगते हैं। जब युवा दिन-रात फोन पर अश्लीलता, हथियार और जातिवाद देखेंगे, तो उनका पढ़ाई, मेहनत और अच्छे मूल्यों से भरोसा उठने लगता है। खेल के मैदान में पसीना बहाने या पढ़ाई करने के बजाय वे रातों-रात मशहूर होने के लिए खतरनाक रील्स बनाने में अपना कीमती समय बर्बाद कर रहे हैं। ये चीजें उन्हें नशे और गलत संगति की तरफ भी धकेल रही हैं। ऐसी चिंतनीय स्थिति में हमें मिलकर कुछ जमीनी और व्यावहारिक कदम उठाने होंगे। आज अपनी वास्तविक परम्पराओं को सोशल मीडिया के माध्यम से युवाओं के बीच रखना होगा ताकि नई पीढ़ी को पता चल सके कि हमारी असल संस्कृति क्या है। नफरत और अश्लीलता फैलाने वाले वीडियो पर कड़ी कानूनी कार्रवाई होनी चाहिए। स्कूलों और कॉलेजों में हमारे पुराने वाद्य यंत्रों को दोबारा जगह मिलनी चाहिए और साफ-सुथरी रागनी प्रतियोगिताएं होनी चाहिए। हमेशा ध्यान रखें कि बच्चे फोन पर क्या देख और सुन रहे हैं।

बदलाव और आधुनिकता से कोई परहेज नहीं होना चाहिए, लेकिन अपनी जड़ों को भूलकर तो आगे नहीं बढ़ा जा सकता। हमें अपने बच्चों को दोबारा चौपाल की संस्कृति और बुजुर्गों की सीख से जोड़ना होगा। अगर आज हमने बाजार की चकाचौंध में अपनी इस विरासत को खो दिया, तो हम अपनी पहचान खो देंगे।

हम जैसा देखते और सुनते हैं, धीरे-धीरे हमारे संस्कार और व्यवहार भी वैसे ही होने लगते हैं। जब युवा दिन-रात फोन पर अश्लीलता, हथियार और जातिवाद देखेंगे, तो उनका पढ़ाई, मेहनत और अच्छे मूल्यों से भरोसा उठने लगता है। खेल के मैदान में पसीना बहाने या पढ़ाई करने के बजाय वे रातों-रात मशहूर होने के लिए खतरनाक रील्स बनाने में अपना कीमती समय बर्बाद कर रहे हैं।

अभिनय क्षेत्र में निष्ठा व समर्पण के साथ करें कार्य : राम नारायण

कलाकार

डॉ. तबस्सुम जहां

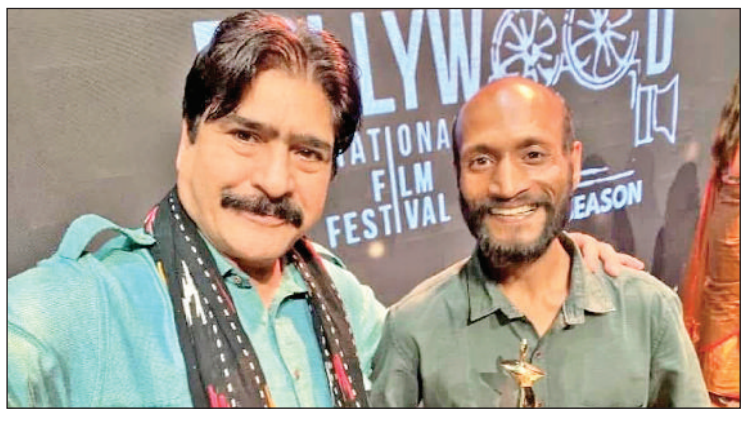

संघर्षों की आग में तपकर ही कलाकार अपनी वास्तविक पहचान बनाता है। हरियाणा की सांस्कृतिक धरती से निकलकर रंगमंच, फिल्मों और वेब सीरीज तक का सफर तय करने वाले राम नारायण ऐसे ही कलाकार हैं, जिन्होंने सीमित संसाधनों और अनेक चुनौतियों के बावजूद अपनी प्रतिभा और समर्पण के बल पर अभिनय जगत में एक विशिष्ट स्थान बनाया है।

उनका जीवन संघर्ष, कला और निरंतर सीख की प्रेरणादायक कहानी प्रस्तुत करता है। रंगमंच से अपने अभिनय सफर की शुरुआत करने वाले राम नारायण ने समय के साथ फिल्म और डिजिटल माध्यमों में भी अपनी सशक्त पहचान स्थापित की। उन्होंने दूरदर्शन के लिए प्रौढ़ शिक्षा पर आधारित एक फिल्म तथा इग्नू के नर्सिंग कोर्स पर डॉक्यूमेंट्री में काम किया। उन्होंने राजू पंजाबी के लोकप्रिय गीत 'हरियाणा तो बदल गया' के साथ-साथ 'बूमरेंग' (कफन पर आधारित), काण्ड 2010, बवाल, कोहरा-2 और वादा जैसी परियोजनाओं में अपने प्रभावशाली अभिनय का प्रदर्शन किया है। उनके अभिनय की यह यात्रा निरंतर आगे बढ़ रही है और उनकी आगामी फिल्मों मोमाकु तथा कांडी का दर्शकों को बेसब्री से इंतजार है। हिसार शहर में जन्मे राम नारायण चार भाई-बहनों में सबसे छोटे थे। परिवार के आर्थिक हालात इनके अनुकूल न रहे। यही कारण है कि रंगमंच को करियर बनाने पर उन्हें परिवार का अपेक्षित सहयोग नहीं मिला, फिर भी उन्होंने संघर्षों और अभावों के बीच अपने अभिनय सफर को जारी रखा। कई बार उन्हें यह कहकर बिना पारिश्रमिक काम कराया गया कि बजट नहीं है, जबकि अन्य लोगों को भुगतान किया जाता था। इस अनुभव ने उन्हें सिखाया कि कलाकार को अपनी मेहनत और कला का सम्मान करते हुए अपने काम का उचित मूल्य अवश्य लेना चाहिए। अपने थियेटर के प्रति गहरे जुड़ाव के संदर्भ में राम नारायण बताते हैं कि कक्षा 3 में उन्हें पहली बार मंच पर प्रदर्शन करने का अवसर मिला और कक्षा 6 से 10 तक वे संगीत तथा सांस्कृतिक कार्यक्रमों में सक्रिय रहे। कॉलेज के दौरान रंगमंच के प्रति उनकी रुचि और बढ़ी तथा बी.ए. के दूसरे वर्ष से उन्होंने निर्देशन और नाट्य गतिविधियों की जिम्मेदारियां संभालनी शुरू कर दीं। बाद में उन्होंने छह वर्षों तक संस्कृत नाटकों का निर्देशन किया और विभिन्न विश्वविद्यालयों के युवा महोत्सवों में नाटिका, माइम एवं स्किट प्रस्तुत कर अपनी अलग पहचान बनाई। राम नारायण ने स्टेज ऐप की 'कांड 2010' तथा और सुपवा के साथ 'चूल्हा न्यौंद' में काम किया है। मुंबई में कांड 2010 वेब सीरीज के लिए अवार्ड मिलने पर राम नारायण बताते हैं कि जब 'काण्ड 2010' के लिए सर्वश्रेष्ठ सहायक अभिनेता (बेस्ट स्पोर्टिंग एक्टर) का पुरस्कार मिलने की सूचना मिली, तो वह क्षण मेरे लिए अत्यंत खुशी का था। इसके अलावा इन्हें 'बूमरेंग' (कफन पर आधारित) के लिए अमेरिका के एक फिल्म समारोह में सर्वश्रेष्ठ अभिनेता का सम्मान प्राप्त हुआ। यह उपलब्धि आपके अभिनय जीवन की महत्वपूर्ण उपलब्धियों में से एक है। कांड 2010 वेबसीरीज में अपने किरदार और अनुभव के बारे में राम नारायण बताते हैं कि वर्ष 2010 में निर्देशक राजेश बब्बर द्वारा काण्ड में जगदीश के चरित्र के लिए चुना जाना उनके लिए बेहद भावुक और यादगार क्षण था। हालांकि वे पहले भी कई चुनौतीपूर्ण भूमिकाएँ निभा चुके थे, लेकिन जगदीश का चरित्र अपनी सामाजिक पृष्ठभूमि और गहरी मनोवैज्ञानिक जटिलताओं के कारण उनके लिए विशेष रहा। कैमरे के सामने और रंगमंच पर अभिनय की दृष्टि से वह बड़ा अंतर मानते हैं। उनके अनुसार कैमरे के सामने काम करने का एक लाभ यह है कि आपको दृश्य दोबारा करने का अवसर मिल जाता है, लेकिन रंगमंच में ऐसा नहीं होता। यदि कोई त्रुटि रह जाए, तो उसे अगले शो में ही सुधारा जा सकता है, और अगला शो कब मिलेगा, यह निश्चित नहीं होता। हरियाणा के रंगमंच और हरियाणवी सिनेमा की वर्तमान स्थिति के संदर्भ में चर्चा करते हुए उन्होंने बताया कि प्रदेश में रंगमंच की स्थिति अभी भी अपेक्षित स्तर तक नहीं पहुंची है। पिछले आठ-दस वर्षों में हरियाणवी सिनेमा ने इस क्षेत्र को कुछ हद तक संभाला अवश्य है, लेकिन वास्तविक हरियाणवी संस्कृति की झलक अभी भी सीमित रूप में दिखाई देती है। केवल हरियाणवी बोली बोलने से संस्कृति का संरक्षण नहीं होता। उसके मूल मूल्यों, परंपराओं और जीवन शैली को भी प्रस्तुत करना आवश्यक है। संभावनाए तो बहुत हैं, लेकिन उन्हें सही दिशा में आगे बढ़ाने की आवश्यकता है। यशपाल शर्मा ने दादा लखमी फिल्म बनाकर इसी विचार को आगे बढ़ाकर सफलतापूर्वक साकार किया। उभरते नए युवा कलाकारों के लिए राम नारायण संदेश देते हैं कि आपने इस क्षेत्र को चुना है, तो पूरी निष्ठा और समर्पण के साथ कार्य करें। समय की पाबंदी रखें। जो देर से आए, उसे यह महसूस होना चाहिए कि उसने एक अवसर खो दिया है।

हरियाणा में रंगमंच की स्थिति अभी भी अपेक्षित स्तर तक नहीं पहुंची है। पिछले आठ-दस वर्षों में हरियाणवी सिनेमा ने इस क्षेत्र को कुछ हद तक संभाला अवश्य है, लेकिन वास्तविक हरियाणवी संस्कृति की झलक अभी भी सीमित रूप में दिखाई देती है। केवल हरियाणवी बोली बोलने से संस्कृति का संरक्षण नहीं होता। उसके मूल मूल्यों, परंपराओं और जीवन शैली को भी प्रस्तुत करना आवश्यक है। संभावनाए तो बहुत हैं, लेकिन उन्हें सही दिशा में आगे बढ़ाने की आवश्यकता है।

खबर संक्षेप

सीएम का दौरा आज पुलिस ने किए पुख्ता प्रबंध

नारनौल। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के 8 जून के नारनौल दौरे के मद्देनजर पुलिस पूरी तरह सतर्क व मुस्तैद है। पुलिस अधीक्षक दीपक के निर्देशानुसार सुरक्षा और यातायात व्यवस्था के पुख्ता प्रबंध किए गए हैं। सुरक्षा व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने के लिए 11 विशेष नाके लगाए गए हैं और निरंतर निगरानी के लिए छह पुलिस राइडर तैनात की गई हैं। इसके साथ ही किसी भी आपातकालीन स्थिति से तुरंत निपटने के लिए एक अतिरिक्त रिजर्व पुलिस बल का भी गठन किया गया है।

चोरी के मामले में 3 आरोपित गिरफ्तार

कनीना। थाना सदर पुलिस ने मुस्तैदी से कार्रवाई करते हुए पशु चोरी के एक मामले का सफलता हासिल की है। गाय चोरी के मामले में कार्रवाई करते हुए पुलिस ने 6 जून को मामले में संलिप्त तीन आरोपितों को गिरफ्तार किया है। पकड़े गए आरोपितों की पहचान सुरेश, संजय व नरेन्द्रपाल वासी आकोदा के रूप में हुई है। पुलिस ने आरोपितों से चोरी की गई गाय को बरामद कर लिया है और वारदात में इस्तेमाल की गई गाड़ी को भी जब्त कर लिया है।

प्रशासनिक आदेशों पर किन्नरों की सहमति

नांगल चौधरी। परिवार में खुशी के अवसर पर किन्नरों की ओर से जबरन बधाई वसूली से परेशान लोगों ने एसडीएम उमेद सिंह को ज्ञापन सौंपकर रोष जताया था। उन्होंने 500 रुपये बधाई राशि निर्धारित करने तथा जबरदस्ती करने वाले किन्नरों के खिलाफ कार्रवाई की गुहार लगाई थी। इसके बाद पूजा महंत किन्नर ने प्रशासनिक आदेशानुसार स्वैच्छा से दिए गए दान को स्वीकार करने का निर्णय लिया है।

डाइट फैकल्टी ने 137 स्कूलों का किया निरीक्षण, एससीईआरटी गुरुग्राम को भेजी जाएगी रिपोर्ट

भारतीय भाषा समर कैंप फन बेस्ड गतिविधियों पर आधारित रहा, विद्यार्थियों ने सीखी साइन लैंग्वेज

- संसाधन इकाई प्रभारी डॉ. सरोज यादव ने बताया कि कक्षा 6 से 12वीं तक के विद्यार्थियों ने विभिन्न गतिविधियों में भाग लिया
- डाइट प्रभारी डा. बीर सिंह ने बताया कि स्कूलों में लगे स्मार्ट बोर्ड, टीवी या मोबाइल फोन को सीधे 'पीएम ई-विद्या चैनल' से कनेक्ट किया गया

हरिभूमि न्यूज ⏭ रेवाड़ी

रेवाड़ी। कैंप में आयोजित गतिविधि में भाग लेते विद्यार्थी, राजकीय स्कूल बूढ़पुर में पेंटिंग दिखाते विद्यार्थी व मौजूद शिक्षक एवं छात्र। *फोटो : हरिभूमि*

जिले के सरकारी स्कूलों में चल रहे सात दिवसीय भारतीय भाषा समर कैंप का रविवार को समापन हो गया। कैंप में कक्षा 6 से 12 तक के विद्यार्थियों ने अनेक गतिविधियों में प्रतिभागिता की। जिला मौलिक शिक्षा अधिकारी व डाइट प्राचार्य प्रदीप कुमार दहिया के मार्गदर्शन में सभी डाइट फैकल्टी ने इन कैंपों का निरीक्षण किया।

संसाधन इकाई प्रभारी डा. सरोज यादव ने बताया कि प्राचार्य व फैकल्टी के सदस्यों की ओर से 137 स्कूलों का निरीक्षण किया गया। अब कैंप में कराई गई गतिविधियों की संकलित रिपोर्ट बनाकर एससीईआरटी हरियाणा गुरुग्राम को भेजी जाएगी। कैंप की विशेषता यह रही कि विद्यार्थियों को साइन लैंग्वेज भी सिखाई गई, जिससे बच्चे सांकेतिक भाषा में भी बात कर सकेंगे।

डाइट प्रभारी डा. बीर सिंह ने बताया कि स्कूलों में लगे स्मार्ट बोर्ड, टीवी या मोबाइल फोन को सीधे 'पीएम ई-विद्या चैनल' से कनेक्ट किया गया, जिस पर साइन लैंग्वेज और अन्य भाषाओं से जुड़े विशेष वीडियो प्रसारित किए जाते हैं। समर कैंप फन बेस्ड गतिविधियों पर आधारित रहा। बच्चों पर पढ़ाई या होमवर्क का कोई दबाव नहीं था। विभाग की ओर से कैंप के सात दिनों का शेड्यूल तैयार किया गया था, जिसमें कक्षा 6 से 12 के विद्यार्थियों ने भाग लिया। कैंप में प्रतिदिन की थीम अलग थी, जिसमें अभिवादन वर्णमाला, इशारों में अपना नाम व हस्ताक्षर करना, बाजार से लेकर रास्ता पूछने तक का ज्ञान, बस स्टॉप पर रास्ता पूछना, रोल प्ले के जरिए सामान खरीदना, होटल में खाना ऑर्डर करना, ट्रैफिक नियम समझना, व्यंजनों, मसाले, सब्जियों और फलों के नाम की जानकारी, अलग भाषाओं के वाद्य यंत्रों के नाम एवं पारंपरिक डांस, पेंटिंग की शैलियों को समझना, स्थानीय नायकों व स्वतंत्रता सेनानियों की कहानी, बाल शॉर्ट फिल्में, एटलस, फिजिकल मैप वीडियो के जरिए देश की प्रमुख नदियों, पहाड़ों, ऐतिहासिक धरोहरों व स्कूल स्तर पर अंताक्षरी शामिल रही। विद्यार्थियों ने कैंप को दैनिक जीवन में व्यवहारिक स्किल के लिए बेहद उपयोगी बताया।

इन फैकल्टी ने किया स्कूलों का निरीक्षण

कैंप के दौरान डाइट फैकल्टी ने सभी स्कूलों का निरीक्षण किया। डाइट प्राचार्य प्रदीप कुमार दहिया ने 10, वरिष्ठ प्राध्यापक डा. बीर सिंह ने 2, डा. विजय सिंह ने 4, डा. मंजू बाला ने 5, डा. सरोज यादव ने 5, डा. रामफल शास्त्री ने 6, प्राध्यापक दीपक कुमार ने 7, हरीश चंद ने 6, जितेंद्र सिंह ने 7, धर्मेंद्र ने 5, डा. संगीता ने 6, रितु यादव ने 6, बबीता ने 5, सुदेश कुमारी ने 6, रविंद्र प्रकाश ने 6, सत्यपाल ने 6, अशोक कुमार ने 6, हवा सिंह ने 5, डा. नरेन पाल ने 7, सुदेश शर्मा ने 7, डा. सुरेंद्र कुमार ने 7, डा. जगदीश प्रसाद ने 6, रमेश कुमार ने 7 स्कूलों का निरीक्षण किया।

कैंप में विद्यार्थियों से सभी प्रकार के व्यसनों से दूर रहने का किया आह्वान

कोसली। कोसली के शहीद फ्लाइट लेफ्टिनेंट आकाश यादव रावमा विद्यालय में आयोजित भारतीय भाषा समर कैंप के समापन पर जिला पार्षद जीवन हितेषी ने बच्चों को विद्यार्थी जीवन में अनुशासन का महत्व बताते हुए सभी प्रकार के व्यसनों से दूर रहने का आह्वान किया। प्रवक्ता लता भारती, सुनीता यादव व सोनू ने बच्चों को मानचित्र पर नदियों, पर्वतों, एतिहासिक स्मारकों व प्रसिद्ध स्थानों की पहचान करने के बारे में बताया। इसके अतिरिक्त बच्चों को इतिहास व भूगोल से जुड़ी जानकारियां, संतुलित आहार का महत्व, पारंपरिक भाषा, अंताक्षरी और प्रेरणादायक चचार्ओं के माध्यम से अवगत कराया गया। छात्रा साक्षी व छात्र सत्यम ने समर कैंप में हुई गतिविधियों की जानकारी दी। कैंप के सफल संचालन एवं व्यवस्था के लिए नोडल अधिकारी सतीश जांगडा, सोनू पंकज, मनीष यादव, नवीन व कैंप में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने विद्यार्थियों शीतल, साक्षी, ईशु, ज्योति, मयंक, मिलन, मोहित व राहुल को प्रमाण-पत्र, तथा नकद राशि देकर सम्मानित किया गया।

रेवाड़ी। विद्यार्थियों को पुरस्कृत करते शिक्षक। *फोटो : हरिभूमि*

भारतीय भाषाएं हमारी संस्कृति और परंपराओं की अमूल्य धरोहर: सत्ते

रेवाड़ी। राजकीय मॉडल संस्कृति वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय बीकानेर में भारतीय भाषा समर कैंप का समापन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता विद्यालय के प्राचार्य मनोज कुमार ने की। इस अवसर पर विद्यार्थियों को प्रमाण-पत्र प्रदान किए गए तथा विभिन्न प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को पुरस्कृत किया गया। प्रभारी डा. सुविधा यादव ने कैंप की उपलब्धियों पर प्रकाश डाला। विद्यार्थियों के लिए हिंदी भाषा संवर्धन, रचनात्मक लेखन, कविता पाठ, कहानी लेखन, भाषण, सुलेख, प्रश्नोत्तरी तथा अन्य भाषाई गतिविधियों का आयोजन किया गया। प्रवक्ता सत्ते सिंह ने कहा कि भारतीय भाषाएं हमारी संस्कृति और परंपराओं की अमूल्य धरोहर हैं। विद्यार्थियों को अपनी मातृभाषा के साथ-साथ अन्य भारतीय भाषाओं के अध्ययन में भी रुचि लेनी चाहिए, जिससे राष्ट्रीय एकता और सांस्कृतिक समृद्धि को बल मिलता है। अध्यापक मुकेश कुमार ने कहा कि भाषा केवल संवाद का माध्यम नहीं, बल्कि हमारी संस्कृति, विचारों और मूल्यों की वाहक है। उन्होंने विद्यार्थियों को नियमित अध्ययन, लेखन एवं साहित्यिक गतिविधियों में सक्रिय भागीदारी के लिए प्रेरित किया। प्राचार्य मनोज कुमार ने कैंप के सफल आयोजन के लिए कैंप प्रभारी, शिक्षकों एवं विद्यार्थियों को बधाई दी। उन्होंने कहा कि भारतीय भाषाओं के संरक्षण एवं संवर्धन के लिए इस प्रकार के कार्यक्रम अत्यंत आवश्यक हैं।

रेवाड़ी। कैंप में विद्यार्थियों को सम्मानित करते हुए। *फोटो : हरिभूमि*

रेवाड़ी। शिविर में योगाभ्यास करते योग साधक। *फोटो : हरिभूमि*

भस्त्रिका प्राणायाम के नियमित अभ्यास से श्वसन तंत्र को मजबूती मिलती है: सुषमा

हरिभूमि न्यूज ⏭ कोसली

कोसली मंडी टाउनशिप के पार्क में आयोजित पांच दिवसीय योग शिविर में रविवार को योग प्रशिक्षक सुषमा यादव ने भस्त्रिका प्राणायाम के वैज्ञानिक पक्ष पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि भस्त्रिका प्राणायाम फेफड़ों की कार्यक्षमता बढ़ाने, शरीर में आक्सीजन की मात्रा सुधारने तथा मानसिक एकाग्रता एवं ऊर्जा स्तर को बढ़ाने में सहायक माना जाता है। नियमित अभ्यास से श्वसन तंत्र को मजबूती मिलती है तथा तनाव कम करने में सहायता प्राप्त होती है। सोमदत्त आर्य ने बताया कि अधिक मात्रा में शीतल पेय पदार्थों का सेवन मोटापा, दांतों की समस्याएं, मधुमेह तथा अन्य स्वास्थ्य संबंधी परेशानियों का कारण बन सकता है। उन्होंने बच्चों को प्राकृतिक पेय पदार्थों, स्वच्छ जल, छाछ, लस्सी एवं फलों के रस को अपनाने का आग्रह किया। कार्यक्रम में सभी आयु वर्ग के लोगों ने योगासनों व प्राणायाम का अभ्यास किया। पतंजलि के तहसील प्रभारी दयानंद आर्य ने कहा कि योग शिविर का उद्देश्य समाज में स्वास्थ्य, अनुशासन एवं सकारात्मक जीवनशैली को बढ़ावा देना है। शिविर 10 जून तक प्रतिदिन प्रातः 5 बजे से 6:30 बजे तक चलेगा। शिविर में सतीश जांगिड, हिमांशु बंसल, विनय, विजय भाकली, विजय सिंघला, मास्टर संतोष, सुनिल, डा. धर्मवीर, दिनेश यादव, पूर्व प्रधान राकेश, डा नरेंद्र, हर्ष वर्धन, मंजू, सुमन, शर्मिला, प्रिया कालरा, अनुपमा, नीलम, रेखा व दर्शना सहित अनेक योग साधकों ने भाग लिया।

धर्मेंद्र मोरवाल तीन साल के लिए बनाए गए प्रधान

रेवाड़ी। विजयी जुलूस निकालते विजेता उम्मीदवार। फोटो : हरिभूमि

हरिभूमि न्यूज ⏭ रेवाड़ी

रविवार को धानक धर्मशाला मंदिर बगीची की नई प्रबंधन कार्यकारिणी के चुनाव सम्पन्न हो गए। तीन साल की प्रबंधन कार्यकारिणी में प्रधान, सचिव व कोषाध्यक्ष पद पर सिलाई मशीन व उगता सूरज चुनाव चिह्नों के दो पक्षों के बीच मुकाबला था, जिसमें सिलाई मशीन के तीनों उम्मीदवारों ने जीत दर्ज की। धर्मेंद्र मोरवाल ने प्रधान पद पर 11 वोटों से जीत दर्ज की। धर्मेंद्र मोरवाल को 81 मत मिले, जबकि उनके प्रतिद्वंदी अनिक कुमार मोरवाल को 70 वोट मिले तथा 3 वोट रद्द किए गए। चुनाव अधिकारी सतवीर सिंह यादव तथा सहायक चुनाव अधिकारी व दिनेश कुमार शर्मा व जगत सिंह बोहरा ने बताया नई प्रबंधन कार्यकारिणी के लिए चुनाव में 10 से 3 बजे तक मतदान कराया गया।

किसको कितने वोट

चुनाव में किसको कितने वोट मिले
धानक धर्मशाला मंदिर बगीची की प्रबंधन कार्यकारिणी के चुनाव में प्रधान पद के लिए 3 उम्मीदवार थे, जिसमें धर्मेंद्र मोरवाल को 81 वोट, अनिल कुमार मोरवाल को 70 तथा राजेश कुमार को 16 वोट मिले। वहीं सचिव के पद पर नितिन सोलंकी सिलाई मशीन ने 86 वोट लेकर जीत दर्ज की, जबकि सुभाष चन्द्र सोलंकी उगता सूरज को 80 वोट मिले और 4 वोट कैंसिल हुए। कोषाध्यक्ष के पद पर उमेश सिवान सिलाई मशीन ने 90 वोट लेकर जीत हासिल की, जबकि प्रतिद्वंदी रामसिंह निनानियां उगता सूरज को 76 वोट मिले और 4 वोट कैंसिल किए गए। चुनाव को सम्पन्न कराने में दिनेश वशिष्ठ, महेश वशिष्ठ, रमेश वशिष्ठ, उमेश भारद्वाज, सतपाल शर्मा, सूबेदार कृष्ण कुमार व दीपक शर्मा का सहयोग रहा।

50% अनुदान पर उपलब्ध कराए जाएंगे कृषि यंत्र

रेवाड़ी। कृषि विभाग हरियाणा की ओर से राष्ट्रीय कृषि विकास योजना के तहत पराली जलाने की घटनाओं एवं वायु प्रदूषण को कम करने के लिए चालू वित्त वर्ष 2026-27 में फसल अवशेषों को खेत में मिलाने व पराली प्रबंधन के लिए व्यक्तिगत श्रेणी के किसानों को 50 प्रतिशत अनुदान पर कृषि यंत्र उपलब्ध कराएं जाएंगे। योजना का लाभ लेने के इच्छुक किसान विभागीय पोर्टल एग्रीहरियाणा.जीओवी.इन पर 15 जून तक ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। डीसी एवं जिला कार्यकारिणी समिति अध्यक्ष अभिषेक मीणा ने बताया कि स्कीम के तहत विभिन्न फसल अवशेष प्रबंधन कृषि यंत्रों जैसे सुपर स्ट्रा मैनेजमेंट सिस्टम, सुपर सीडर, सरफेस सीडर, हैप्पी सीडर, पैडी स्ट्रा चोपर-स्प्रेडर-मल्चर, शर्ब मास्टर-रोटरी स्लेशर, हाईड्रोलिक रिवर्सिबल एमबी प्लॉव, जीरो टील सीड कम फर्टिलाइजर ड्रिल, बेलिंग मशीन (बेलर व स्ट्रा रैक), स्वचालित व ट्रैक्टर चालित क्रॉप रीपर, स्वचालित रीपर बाइंडर (3 व्हील व 4 व्हील), ट्रैक्टर चालित लोडर व ट्रैक्टर चालित टेडर मशीन पर अनुदान उपलब्ध कराया जा रहा है। कृषि विभाग के उप कृषि निदेशक जितेंद्र अहलावत ने बताया कि किसानों की वरिष्ठता सूची जिला कार्यकारिणी समिति की ओर से किसानों की उपस्थिति में ऑनलाइन ड्रा के माध्यम से निर्धारित की जाएगी। सहायक कृषि अभियंता दिनेश शर्मा ने बताया कि ऑनलाइन आवेदन के लिए किसान का खरीफ व रबी सीजन 2025-26 मे मेरी फसल मेरा ब्यौरा पोर्टल पर पंजीकरण होना अनिवार्य है।

आईजीयू : जल्दी करें, आवेदन की अंतिम तिथि 10 जून

हरिभूमि न्यूज ⏭ मीरपुर

- पीजी पाठ्यक्रमों के लिए 20 जून तक कर सकते हैं आवेदन

इंदिरा गांधी विश्वविद्यालय में शैक्षणिक सत्र 2026-27 के लिए शिक्षण विभागों में संचालित विभिन्न स्नातक, स्नातकोतर एवं एकीकृत पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए आवेदन करने की अंतिम तिथि नजदीक आ गई है। इच्छुक अभ्यर्थी स्नातक के पाठ्यक्रमों के कोर्सों में 10 जून रात्रि 11:59 बजे तक विवि की आधिकारिक वेबसाइट आईजीयू.एसी.इन पर आवेदन कर सकते है। विवि प्रशासन के अनुसार इस वर्ष विद्यार्थियों के लिए रोजगारोन्मुखी एवं आधुनिक पाठ्यक्रमों पर विशेष ध्यान दिया गया है। प्रवेश के लिए एमकॉम 5 वर्षीय इंटीग्रेटेड, एमबीए 5 वर्षीय इंटीग्रेटेड, बीएचएमसीटी होटल एवं पर्यटन प्रबंधन, बीएससी ऑनर्स-रिसर्च गणित, बीएससी ऑनर्स-रिसर्च रसायन विज्ञान, बीए डिफेंस स्टडीज, बैचलर ऑफ जर्नलिज्म एंड मास कम्युनिकेशन बीजेएमसी, बीटेक सीएसई आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस एवं मशीन लर्निंग, बैचलर ऑफ फिजिकल साइंसेज तथा बैचलर ऑफ लाइफ साइंसेज जैसे पाठ्यक्रम उपलब्ध रहेंगे। अधिकांश पाठ्यक्रमों में 60 सीटें निर्धारित की गई हैं, जबकि बीए डिफेंस स्टडीज एवं बीजेएमसी में 30-30 सीटें उपलब्ध होंगी। विश्वविद्यालय में इस बार तीन नए पीजी कोर्स आरंभ किए जा रहे हैं, जिसमें एमए संस्कृत, मास्टर इन होटल एंड टूरिज्म मैनेजमेंट तथा एलएलएम शामिल है। भारतीय ज्ञान परंपरा को देखते हुए एमए संस्कृत के कोर्स को महत्व दिया गया है। इन कोर्सों के लिए आवेदन करने की अंतिम तिथि 20 जून रहेगी।

बीटेक में प्रवेश जेईई मेंस रैंक के आधार पर होंगे

विश्वविद्यालय की ओर से संचालित बीटेक सीएसई एआई एवं एमएल कार्यक्रम में प्रवेश हरियाणा स्टेट टेक्निकल एजुकेशन सोसायटी के माध्यम से किए जाएंगे। बीटेक कार्यक्रम के लिए ऑनलाइन आवेदन 18 जून तक कर सकते है। प्रवेश जेईई मेन्स-2026 की ऑल इंडिया रैंक के आधार पर होंगे।
-असीम मिगलानी, वीसी आईजीयू।

ऑपरेशन मुस्कान के तहत 6 साल की नाबालिग बच्ची को परिजनों से मिलाया

हरिभूमि न्यूज. रेवाड़ी

शहर थाना पुलिस ने प्रजापति चौक के पास लावारिस हालत में घूम रही 6 साल की नाबालिग बच्ची के परिजनों की तलाश कर सकुशल उनके हवाले किया। सिटी एसएचओ इंस्पेक्टर सूबे सिंह ने बताया की गत 6 जून को शाम के समय ईआरवी-580 को प्रजापति चौक के पास एक बच्ची के लावारिस हालत में घूमने की सूचना मिली।

सूचना पर ईआरवी पर तैनात जवानों ने बच्ची को बरामद कर उसके परिवार के बारे में पूछताछ की तो वह कुछ नहीं बता पाई। बच्ची को थाना शहर लाया गया और आसपास के इलाके में उसके परिजनों की तलाश शुरू की गई। बाद में पता चला कि बच्ची रामगढ़ रोड पर नए बस स्टैंड के पीछे एक किराए के मकान में रहती है, जिसके बाद पुलिस ने उसके परिजनों से संपर्क किया तो बच्ची के पिता डालचंद ने बताया की शाम के समय उनकी बेटी घर से बिना बताए कहीं चली गई थी, जिसकी उन्होंने अपने स्तर पर काफी तलाश की। पुलिस ने बच्ची को परिवार को सौंप दिया है।

रेवाड़ी। बच्ची को परिजनों को सौंपते एसएचओ।

उपलब्धि समारोह की अध्यक्षता प्राचार्या तथा मंच संचालन श्रीभगवान बव्वा ने किया

कार्यक्रम में पूर्व उप जिला शिक्षा अधिकारी डॉ. राजेन्द्र यादव मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे

भारतीय नौसेना में सब लेफ्टिनेंट बनी लुखी की शिवानी का हुआ सम्मान

हरिभूमि न्यूज ⏭ कोसली

गांव लुखी निवासी शिवानी का भारतीय नौसेना की शिक्षा शाखा में सब लेफ्टिनेंट के पद पर चयन होने से पूरे क्षेत्र में हर्ष की लहर है। विभिन्न सामाजिक संगठनों ने शिवानी का सम्मान किया हैं। रविवार को शहीद धर्मसिंह राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय लुखी में आयोजित सात दिवसीय समर कैंप के समापन समारोह में विद्यालय की ओर से शिवानी को सम्मानित किया गया।

रेवाड़ी। शिवानी को सम्मानित करते अतिथि व शिक्षक। *फोटो : हरिभूमि*

कार्यक्रम में पूर्व उप जिला शिक्षा अधिकारी डा. राजेन्द्र यादव ने मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की, जबकि समारोह की अध्यक्षता प्राचार्या उमा यादव तथा मंच संचालन वरिष्ठ प्रवक्ता श्रीभगवान बव्वा ने किया। इस अवसर पर शिवानी के साथ उनकी मां सुशीला देवी एवं केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल में कार्यरत पिता जितेन्द्र कुमार को भी सम्मानित किया गया। शिवानी ने अपनी सफलता का श्रेय अपने दादा स्व.बीर सिंह, दादी स्व. कमला देवी, माता-पिता की प्रेरणा को दिया। इस मौके पर मुख्य अतिथि डा. यादव ने कहा कि शिवानी का सब लेफ्टिनेंट के पद पर चयन होना पूरे क्षेत्र के लिए गौरव का विषय है। प्राचार्या ने कहा कि अनुशासित एवं योजनाबद्ध तरीके से की गई मेहनत सदैव सफल होती है।

कार्यक्रम में ये रहे मौजूद

कार्यक्रम में काका कंवर सिंह, संतरा देवी, सुनीता देवी, राजकुमार, राकेश कुमार, सुमन देवी, स्कूल प्रबंधन समिति के प्रधान प्रताप सिंह, प्रवक्ता राजपाल यादव, अंजू बाला, कैलाश चंद, सुनील यादव, प्रेरणा यादव, संजय शर्मा व कुलदीप यादव सहित अनेक गणमान्य लोग मौजूद थे।

पहले हो चुका किन्नरों के दो गुटों में खूनी संघर्ष, आशंका को देखते हुए अलर्ट हुई पुलिस

अंदर आराम फरमा रहे किन्नर, गेस्ट हाउस के बाहर कड़ा पहरा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी/बावल

किन्नरों के बीच चल रही गुटबाजी के कारण पुलिस उस समय हरकत में आ गई, जब कई जिलों के किन्नर पहले दुर्गा कॉलोनी पहुंचे। इसके बाद बावल की ओर कूच कर गए। वर्चस्व की जंग के बीच झगड़े की आशंका को देखते हुए पुलिस ने उन्हें एक गेस्ट हाउस में ठहराकर बाहर पुलिस बल तैनात कर दिया गया। शनिवार की रात कई जिलों से बड़ी संख्या में किन्नर गाड़ियां लेकर पहले शहर की दुर्गा कॉलोनी पहुंचे। इस कॉलोनी में बीते दिनों भी किन्नरों के दो गुटों के बीच खूनी संघर्ष हो गया था। किन्नर एक बार रुकने के बाद बावल की ओर कूच कर गए। वहां सभी किन्नर एक जगह पर एकत्रित हुए तो पुलिस के कान खड़े हो गए। सभी किन्नरों को एक गेस्ट हाउस में ठहराने के बाद पुलिस ने बाहर पहरा लगा दिया। पुलिस सूत्रों के अनुसार इस बार किन्नर किसी झगड़े की तैयारी से नहीं, बल्कि अपने किसी बुजुर्ग का श्राद्धक्रम करने के लिए आए हुए हैं। पहले चर्चा यह रही कि गद्दी को लेकर किन्नरों में एक बार फिर संघर्ष हो सकता है। इससे पूर्व हुए संघर्ष में पुलिस ने दो दर्जन से अधिक किन्नरों के खिलाफ केस दर्ज किया था।

रेवाड़ी। एक गेस्ट हाउस में ठहरे विभिन्न एरिया से आए किन्नर। *फोटो : हरिभूमि*

सोमवार तक लौट जाने का आश्वासन

पुलिस के अनुसार किन्नरों ने पुलिस को आश्वस्त किया कि वह जिस कार्य के लिए आए हैं, उसे पूरा करने के बाद रविवार रात या सोमवार सुबह निकल जाएंगे। किन्नरों के इस आश्वासन और शांतिपूर्ण ठहराव के बाद पुलिस ने राहत की सांस ली है। इसके बावजूद पुलिस उनकी गतिविधियों पर लगातार नजर बनाए हुए है।

आबकारी विभाग तय करता है शराब के न्यूनतम रेट

शराब ठेकेदारों में शुरू हुई प्राइस वार कम दामों पर बेचने वाले दो ठेके सील

कंपीटिशन के चलते ठेकेदार बेचते हैं कम रेट पर शराब

- प्रभावित ठेकेदारों ने कम दामों पर शराब बेचने वाले ठेकेदारों की शिकायत आबकारी अधिकारियों से की थी

रेवाड़ी। पोसवाल चौक पर सील किया गया शराब का ठेका तथा सील होने के बाद ठेके पर लगाया गया नोटिस। *फोटो : हरिभूमि*

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

अलग-अलग फर्मों के पास शराब के ठेके होने के कारण ठेकेदारों में प्राइस वार शुरू हो चुकी है। निर्धारित से कम रेट पर शराब बेचकर ठेकेदार एक-दूसरे का खेल बिगाड़ने पर आमादा हो गए हैं। एक्साइज विभाग की टीम ने ऐसे दो ठेकों को सील किया है, जो विभाग की ओर से निर्धारित न्यूनतम रेट से कम में शराब बेच रहे थे। ठेके पर बेनर भी लगाए गए है कि ये दुकान सस्ती शराब बेचने के कारण 3 दिन के लिए सील कर दी गई है।

शराब के ठेके जब एक ही फर्म के पास होते हैं, तो वह महंगे दामों पर शराब की बिक्री करते हुए मोटा मुनाफा कमाते हैं। अलग-अलग फर्मों के पास ठेके होने के कारण उनमें कंपीटिशन शुरू हो जाता है। शराब की अधिक बिक्री के चक्कर में ठेकेदार निर्धारित न्यूनतम रेट से भी कम दामों पर शराब की बिक्री करते हैं, ताकि उनकी बिक्री दूसरे ठेके की बिक्री को प्रभावित कर सके। प्रभावित ठेकेदारों ने कम दामों पर शराब बेचने वाले ठेकेदारों की शिकायत आबकारी अधिकारियों से की थी। इसके बाद शनिवार देर सायं विभाग की एक टीम ने कई शराब ठेकों पर दबिश दी। जांच के बाद दौरान प्रजापति चौक और पोसवाल चौक के ठेकों को सील कर दिया गया। विभाग की इस कार्रवाई से उन ठेकेदारों में हड़कंप मच गया, जो निर्धारित से कम रेट पर शराब की बिक्री करते हैं। विभाग की टीम ने इन ठेकों पर शराब की बिक्री आंखों के सामने देखने व बिक्री रजिस्टर चेक करने के बाद सीलिंग की कार्रवाई की। विभाग के इंस्पेक्टर मोतीलाल के अनुसार ठेकेदार निर्धारित न्यूनतम रेट से कम पर शराब या बिक्री नहीं कर सकते। ऐसा करने वाले ठेकेदारों के खिलाफ आगे भी कार्रवाई जारी रहेगी।

नए ठेकेदारों के लिए बड़ी मुसीबत

प्राइस वार पुराने ठेकेदार शुरू करते हैं। नए ठेकेदारों को घाटे में पहुंचाकर उन्हें मैदान से हटाने के लिए शराब के दाम निर्धारित से कम कर दिए जाते हैं। इससे उनके नजदीक दूसरी फर्म के ठेकों पर शराब की बिक्री प्रभावित होती है। प्राइस वार के चलते नए ठेकेदारों के लिए लाइसेंस फीस तक निकालना मुश्किल हो जाता है, जिससे वह बीच में ही ठेका छोड़ने को मजबूर हो जाते हैं।

महंगी बेचने पर नहीं कोई पाबंदी

एक्साइज पॉलिसी के अनुसार शराब ठेकेदार निर्धारित न्यूनतम रेट से कम पर शराब नहीं बेच सकते हैं। वह इससे अधिक रेट पर कितनी भी महंगी शराब बेचें, उस पर कोई पाबंदी नहीं होती। प्राइस वार के चलते बड़े ठेकेदार कुछ ठेकों पर सस्ती शराब बेचकर नुकसान उठाने को तैयार रहते हैं। वह नुकसान की भरपाई दूसरे ठेकों से कर लेते हैं। छोटे ठेकेदारों के लिए ऐसा करना आसान नहीं होता।

परिवार के बुजुर्गों को होती है मानवीय मूल्यों की पहचान : प्रो. सोनी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

रेवाड़ी। कार्यक्रम में अतिथियों को सम्मान करते आयोजक। फोटो : हरिभूमि

हमारा परिवार संस्था की ओर से रविवार को पंजाबी धर्मशाला में वरिष्ठजनों के सम्मान का कार्यक्रम 'वरिष्ठजन रहें स्वस्थ एवं खुशहाल-युवाओं के लिए बने मिसाल' का आयोजन किया गया। इस मौके पर मुख्य अतिथि शिक्षाविद् प्रो. सी एल सोनी, प्राचार्य राजेन्द्र सिंह यादव, एचएसवीपी के पूर्व जिला प्रधान रामरतन यादव व संस्था के संयोजक दिनेश कपूर ने कहा कि जिनके पास अनुभवों का खजाना होता है, जिन्होंने अपने जीवन में अनेकों खट्टे-मीठे अनुभवों को नजदीक से देखा होता है। उनके अनुभवों का यदि आज के ऊर्जा से भरपूर युवा उपयोग करे तो निःसंदेह वे अतिशीघ्र सफलता के पथ पर अग्रसर हो सकते हैं। आज नई-नई टेक्नॉलोजी विकसित हो रही हैं, लेकिन मानवीय मूल्यों की पहचान परिवार के बुजुर्गों को होती है, वे बुद्धिमता पूर्वक परिवार और समाज के साथ रिश्तों को मधुर और सौहार्दपूर्ण बनाए रखते हैं। पार्षद एडवोकेट चंदन यादव, सचिन अनंत व शिक्षाविद डा. बलबीर अग्रवाल ने कहा कि सभी अपने बड़ों का उचित मान सम्मान करें, उनके स्वास्थ्य का ध्यान रखें तो आपको किसी मंदिर में जाकर माथा टेकने की आवश्यकता नहीं है। महिला संयोजक शशि जुनेजा, समाजसेवी अमिता ग्रोवर, भाजपा मंडल मंत्री आशा मखीजा व शिक्षाविद प्रीती कपूर ने कहा कि दादा-दादी, नाना-नानी अपने कुशल व्यवहार से छोटे बच्चों को उत्तम संस्कार दे देते हैं। डा. सपना यादव ने सभी को स्वस्थ रहने के उपयोगी टिप्स दिए। इस अवसर पर राजेन्द्र गेरा, डा. देवेन्द्र कुमार, पुलकित ग्रोवर, विजय शर्मा, उपप्रधान हेमंत ग्रोवर, कुलदीप सोनी, हंसमुख बीकानेरी, कपिल कपूर, हिमांशु, जूही व सुदर्शन मेहंदीरत्ता सहित अनेक गणमान्य लोग मौजूद थे।

भाषा केवल शब्द नहीं, संस्कृति की धड़कनः वशिष्ठ

रेवाड़ी। राजकीय बावल वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में भारतीय भाषा ग्रीष्म शिविर के अंतिम दिन अनेक गतिविधियों आयोजित हुई। कार्यक्रम की शुरूआत पारंपरिक खेलों से हुई। शिक्षाविद एवं साहित्यकार मनोज वशिष्ठ ने देशभक्ति गीत प्रस्तुत किए और बच्चों को पारंपरिक खेलों में शामिल किया। गतिविधियों में डीपीई जितेन्द्रा का सहयोग रहा। बच्चों ने सप्ताहभर के अनुभवों पर आधारित प्रतिभा का प्रदर्शन भी किया। इस मौके पर शिक्षाविद मनोज ने कहा कि भाषा केवल शब्द नहीं, संस्कृति की धड़कन है। स्कूल प्रभारी डॉ. नम्रता सचदेवा ने सभी प्रतिभागी छात्रों को पुरस्कार एवं प्रमाण पत्र वितरित किए। आयोजन में जितेन्द्र दखोरा एवं अशोक बेरवाल का योगदान रहा। इस मौके पर डा. सचदेवा ने कहा कि 7 दिवसीय शिविर का उद्देश्य बच्चों में भाषा के प्रति प्रेम और सांस्कृतिक मूल्यों को बढ़ाना था। प्रतिदिन की गतिविधि ने बच्चों को परिचय से लेकर इतिहास-भूगोल तक भारतीयता से जोड़ा। शिविर में बच्चों को परिचय-अभिवादन, शहर-बातचीत, कला-संस्कृति, भोजन-रसोई, महान व्यक्तियों की जानकारी, इतिहास-भूगोल और पारंपरिक खेलों के माध्यम से भारतीय भाषा और संस्कृति से जोड़ा गया।

रेवाड़ी। विद्यार्थियों को जानकारी देते हुए शिक्षक।

समर कैंप में 150 से अधिक बच्चों ने खेल व स्किल का हुनर सीखा

खोरी। राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय राजपुरा इस्तमुरार में रविवार को सात दिवसीय भारतीय भाषा समर कैंप का समापन हो गया। सात दिनों तक चले समर कैंप में 150 से अधिक बच्चों ने खेल व स्किल डेवलपमेंट का हुनर सीखा। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों में आत्मविश्वास और अनुशासन विकसित करना था। समापन पर विद्यार्थियों को पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। एसएमसी अध्यक्ष रमाकांत, सरपंच सोमा देवी, पूर्व मुख्य अध्यापक रामपाल, समाजसेवी व अकाउंट्स ऑफिसर वेद प्रकाश, कुलदीप, प्रियंका देवी व मीना कुमारी ने भी विद्यार्थियों की गतिविधियों का निरीक्षण किया। विद्यालय की मुखिया संतोष कुमारी ने बताया कि कैंप के दौरान विद्यार्थियों ने गणित शिक्षण, संस्कृति से जुड़े सभी पहलुओं पर भाषा, नृत्य, गायन, चुटकुले, अंताक्षरी व भारतीय व्यंजन सहित नैतिक मूल्यों के सभी पहलुओं की जानकारी ली। मुख्य अध्यापिका ने सभी विद्यार्थियों के उज्जवल भविष्य कामना की।

ग्रामीण क्रिकेट प्रतिभाओं को निखारने का कार्य कर रही एआईजीसीएलः पूजा

रेवाड़ी। हाल ही में ऑल इंडिया ग्रामीण क्रिकेट लीग की दिल्ली कान्फ्रेंस से लौटी सीहा निवासी पूजा राव का कहना है कि ग्रामीण इलाकों में खेल प्रतिभाओं की कोई कमी नहीं है। इन प्रतिभाओं को निखरने का मौका मिले, तो यह विश्व स्तर पर देश का नाम रोशन कर सकती हैं।

पूजा राव ने बताया कि दिल्ली में आयोजित कान्फ्रेंस में इस बात पर जोर दिया गया कि ग्रामीण प्रतिभाओं को राष्ट्रीय मंच प्रदान करना देश में खेलों के विकास के लिए अत्यंत आवश्यक है। पूजा राव खुद एआईजीसीएल में प्रदेश की उपाध्यक्ष के रूप में अपनी भूमिका निभा रही हैं। इससे पहले वह कई सौंदर्य प्रतियोगिताओं भी भारत का प्रतिनिधित्व कर चुकी हैं। कान्फ्रेंस का थीम, 'ग्रामीण प्रतिभाओं को सशक्त बनाना, भारत के खेल भविष्य का निर्माण, रखा गया था। इस थीम को लेकर ग्रामीण क्षेत्रों की प्रतिभाओं को आगे लगाने के लिए दृढ़ता से प्रयास करने पर जोर दिया गया। उन्होंने कहा कि क्रिकेट के क्षेत्र में भी ग्रामीण क्षेत्रों में अवसरों की कमी नहीं है, लेकिन युवाओं को सही मंच और अवसर नहीं मिल पाते। उन्होंने कहा कि एआईजीसीएल हरियाणा के ग्रामीण इलाकों में छुपी क्रिकेट प्रतिभाओं को आगे बढ़ाने की दिशा में कार्य करेगी। भारत के गांवों और छोटे शहरों में अपार खेल प्रतिभा मौजूद है, जिसे सही मार्गदर्शन और अवसर मिलने पर राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर तक पहुंचाया जा सकता है।

योग भारत की प्राचीन ऋषि परंपरा का अमूल्य उपहारः यादव

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

पतंजलि परिवार के संगठनों के संयुक्त तत्वावधान में रविवार को शहीद दशरथ राजकीय मॉडल संस्कृति वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय पीथड़ावास में पांच दिवसीय योग जागरूकता शिविर का शुभारंभ किया गया। मुख्य अतिथि हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड के पूर्व चेयरमैन डा. वीपी यादव ने शिविर का शुभारंभ किया। उन्होंने कहा कि योग भारत की प्राचीन ऋषि परंपरा का अमूल्य उपहार है, जिसे आज पूरा विश्व अपना रहा है। आधुनिक जीवनशैली, अनियमित खान-पान और बढ़ते मानसिक तनाव के कारण अनेक प्रकार की बीमारियां तेजी से बढ़ रही हैं, जिनसे बचाव का सबसे सरल और प्रभावी माध्यम योग है। उन्होंने कहा कि नियमित योगाभ्यास से व्यक्ति में आत्मविश्वास, सकारात्मक सोच, अनुशासन और कार्यक्षमता का विकास होता है। उन्होंने कहा कि यदि युवा पीढ़ी योग को अपनी दिनचर्या का हिस्सा बना ले तो न केवल उनका शारीरिक एवं मानसिक विकास होगा, बल्कि वे नशे और अन्य सामाजिक बुराइयों से भी दूर रहेंगे। स्वस्थ नागरिक ही मजबूत राष्ट्र का निर्माण करते हैं और योग इस दिशा में सबसे सशक्त माध्यम है।

ये रहे मौजूद

अमृत कुमार, यशवंत राव, महेश कुमार, मनोज कुमार, कोच राहुल शर्मा, मोहित कुमार, नितेश कुमार, गजेश कुमार, सुमित कुमार, हमीर सिंह, भीम चंद पंच व भूपेंद्र यादव सहित अनेक गणमान्य नागरिक मौजूद थे।

न्यूज डायरी

विद्यार्थियों ने प्रश्नोत्तरी में किया भारतीय भाषा और सामान्य ज्ञान का प्रदर्शन

कोसली। शहीद लखपत सिंह राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय गुगोढ़ में रविवार को भारतीय भाषा समर कैंप का समापन हुआ। कैंप के अंतिम दिन डाइट हुसैनपुर से प्रवक्ता डा. सुरेंद्र ने विद्यार्थियों से गतिविधियों का फीडबैक लिया तथा कैंप के उद्देश्यों और महत्व से अवगत कराया। उन्होंने विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास में ऐसे कैंपों की उपयोगिता पर प्रकाश डाला। विद्यालय की नोडल अधिकारी एवं प्रवक्ता चंचल यादव की देखरेख में समर कैंप का आयोजन किया गया। विद्यार्थियों ने भाषा, संस्कृति, कला तथा विभिन्न रचनात्मक गतिविधियों में भाग लिया। अंतिम दिन विद्यार्थियों के लिए प्रवक्ता राकेश शास्त्री के निर्देशन में प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया, जिसमें बच्चों ने अपनी भाषा संबंधी जानकारी और सामान्य ज्ञान का प्रदर्शन किया। प्रतियोगिता ने विद्यार्थियों में सीखने की रुचि और आत्मविश्वास को और अधिक बढ़ाया। समापन अवसर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले बच्चों को पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया।

नेहरू पार्क सुधार समिति की कार्यकारिणी का हुआ गठन

रेवाड़ी। रविवार को नेहरू पार्क सुधार समिति की बैठक एडवोकेट भूपेन्द्र सिंह गुप्ता की अध्यक्षता में आयोजित की गई। की संस्था के प्रधान रामचंद्र अग्गी ने सभी वरिष्ठ जनों से सलाह से कार्यकारिणी का गठन किया। कार्यकारिणी में के के शर्मा को वरिष्ठ उपप्रधान, राजीव जैन को व उपप्रधान, मधुसूदन शर्मा को सचिव, जगदीश मल्ला को सहयोगी सचिव, उमेश शर्मा व निरंजन लाल गुप्ता को सह सचिव, विनोद गुप्ता को कोषाध्यक्ष व घनश्याम गुप्ता को सह कोषाध्यक्ष नियुक्त किया गया। संस्था के मुख्य संरक्षक अजय मित्तल, एडवोकेट भूपेंद्र सिंह गुप्ता, दीपक मंगला, रविंद्र यादव व राजेंद्र सिंहल की भी कार्यकारिणी में नियुक्ति की गई। इस मौके पर गिरीश सिंगला, ईश्वर, सतीश जोशी, सत्यनारायण शर्मा व जगराम गुर्जर सहित अनेक लोग मौजूद थे।

यादव सभा ने लगाया कैंप, 121 लोगों ने उठाया लाभ

रेवाड़ी। यादव कल्याण सभा की ओर से रविवार को गढ़ी बोलनी रोड स्थित श्री कृष्ण भवन में निःशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया गया। कैंप में 121 मरीजों को ओपीडी सेवाएं व फ्री दवाईयां प्रदान की गई। शिविर में डा. अजीत ने मेडिसन, डा.आर बी यादव ने हड्डी रोग, डा. करतार सिंह ने सर्जरी, डा. गौतम ने नेत्र रोग व डा. मनीष ने ईएनटी के मरीजों की जांच कर उचित परामर्श दिया। कैंप में फिजियोथेरेपी की सेवाएं भी दी गई। कैंप के आयोजन में सभा के प्रधान रामबीर यादव, जसवंत सिंह, शशिभूषण, अमर सिंह, प्रो. सतीश यादव व अशोक ने योगदान दिया।

हरिभूमि
आवश्यक सूचना
जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-
रेवाड़ी कार्यालय : दुकान नंबर 67, दुर्गा मार्केट, सेक्टर-1 वाला कच्चा रास्ता, नजदीक महाराणा प्रताप चौक, बावल रोड, रेवाड़ी सम्पर्क करें: 8053076211, 8295738500, 8291554800

मृत्यु अंत नहीं है
मृत्यु कभी भी अंत नहीं हो सकती
मृत्यु एक पथ है, जीवन एक यात्रा है
आत्मा पथ प्रदर्शक है।
हरिभूमि
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
इस शोकाकुल समय में हम आपके सहभागी हैं।
तेरहवीं/श्रद्धान्जलि/शोक संदेश
आप अर्पित कीजिये अपने श्रद्धा-सुमन हरिभूमि के माध्यम से

साईज	संस्करण	विशेष छूट राशि
5 X 8 सें.मी 10X 8 सें.मी	स्थानीय संस्करण के अन्दर के पृष्ठ पर	रु. 1500/- रु. 2000/-

+5% GST Extra
नोट : विशेष छूट राशि केवल उपरोक्त साईज पर मान्य। अन्य किसी साईज के लिए कार्ड रेट लागू।
अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें
रेवाड़ी : दुकान नंबर 67, दुर्गा मार्केट, नजदीक महाराणा प्रताप चौक, बावल रोड, रेवाड़ी फोन : 9653537253, 9671434260

किसी भी अनजान लिंक, ऑफर या कॉल के झांसे में आकर ऑटो डेबिट की अनुमति न दें

ऑटो-पे और सब्सक्रिप्शन फ्रॉड से रहें सतर्क भरोसेमंद प्लेटफॉर्म पर ही ऑटो-पे सक्रिय करें

- यदि किसी व्यक्ति के खाते से बिना जानकारी के पैसे कट रहे हैं, तो तुरंत संबंधित बैंक को सूचित करें

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

जिला पुलिस ने आमजन को ऑटो-पे, सब्सक्रिप्शन और ऑटो-डेबिट से जुड़े साइबर फ्रॉड को लेकर सतर्कता बरतने की सलाह दी है। एसपी हेमेंद्र कुमार मीणा ने जिला वासियों से अपील करते हुए कहा कि वे मोबाइल ऐप्स, वेबसाइट्स और ऑनलाइन सेवाओं पर ऑटो-पे की सुविधा का उपयोग करते समय विशेष सावधानी बरतें। एसपी ने कहा कि हाल के दिनों में ऐसे मामले सामने आए हैं, जिनमें साइबर ठग लोगों को फर्जी ऐप या वेबसाइट के माध्यम से सब्सक्रिप्शन दिलवाकर उनके बैंक खाते या यूपीआई से ऑटोमैटिक पैसे कटवा लिए हैं। कई बार यूजर्स अनजाने में ओटीपी डालकर या अलाऊ ऑटो डेबिट पर क्लिक करके खुद ही ठगों को अनुमति दे देते हैं। हर महीने या तय समय पर उनके खाते से पैसे कटते रहते हैं। स्पष्ट किया कि किसी भी ऐप या वेबसाइट को ऑटो-पे की अनुमति देने से पहले उसकी विश्वसनीयता जरूर जांचें। केवल आधिकारिक और भरोसेमंद प्लेटफॉर्म पर ही ऑटो-पे सुविधा सक्रिय करें। किसी भी अनजान लिंक, ऑफर या कॉल के झांसे में आकर ऑटो डेबिट की अनुमति न दें।

राष्ट्रीय साइबर अपराध हेल्पलाइन नंबर 1930 पर संपर्क करें

एसपी मीणा ने बताया कि नागरिक समय-समय पर अपने बैंक खाते, यूपीआई ऐप जैसे फोन-पे व गूगल-पे और नेट बैंकिंग में जाकर सक्रिय ऑटो-पे मेनडेट्स की जांच करें और अनजान या संदिग्ध मेनडेट्स को तुरंत बंद करें। उन्होंने कहा कि यदि किसी व्यक्ति के खाते से बिना जानकारी के पैसे कट रहे हैं, तो तुरंत संबंधित बैंक को सूचित करें और ऑटो-पे मेनडेट को रद्द कराएं। साथ ही इसकी सूचना पुलिस को भी दें, ताकि समय रहते कार्रवाई की जा सके। उन्होंने कहा कि साइबर ठगी की किसी भी स्थिति में नागरिक राष्ट्रीय साइबर अपराध हेल्पलाइन नंबर 1930 पर संपर्क करें या साइबरक्राइम.जीओवी.इन पर ऑनलाइन शिकायत दर्ज करें।